सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 309, नई दिल्ली,शनिवार, 02, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

किसी भी काम की शुरूआत अगर सकारात्मक विचारों से करे तो उस काम में सफलता जरूर मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

मकान में घुसा ट्रक, गेट और दीवार क्षतिग्रस्त, ट्रक छोड़कर चालक फरार

लखनऊ

लखनऊ में तालकटोरा के राजाजीपुरम इलाके में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर मकान में जा घुसा। हादसे में मकान का गेट और दीवार क्षतिग्रस्त हो गया।

लखनऊ में तालकटोरा के राजाजीपुरम इलाके में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर मकान में जा घुसा। हादसे में मकान का गेट और दीवार क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। घटना के बाद आरोपी चालक ट्रक छोड़कर भाग गया।

गंगा रेल पुल पर 24 में से 20 गर्डर लगाने का काम हुआ पूरा, 650 टन वजन का है गर्डर

प्रयागराज

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल द्वारा प्रयागराज-बनारस रेलमार्ग दोहरीकरण का कार्य के तहत ही इस पुल का निर्माण बीते दो वर्ष से चल रहा है। डेढ़ वर्ष पूर्व यानी जून 2022 में ही गंगा पुल पर झूंसी साइड पहला गर्डर रखा गया था। यहां 25 पिलर पर कुल 24 गर्डर लगाए जाने हैं।

दारागंज को झूंसी से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे रेल ब्रिज में 24 में से 20 गर्डर लगाए जाने का काम शुक्रवार को पूरा हो गया। अब इस पुल पर चार गर्डर लगाने का ही काम रह गया है। यह कार्य जनवरी 24 तक पूरा होने की बात कार्यदायी संस्था रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के अफसरों ने कही है। इसके बाद परेड और झूंसी साइड मुख्य लाइन से पुल को जोड़ने का कार्य चलेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल द्वारा प्रयागराज-बनारस रेलमार्ग दोहरीकरण का कार्य के तहत ही इस पुल का निर्माण बीते दो वर्ष से चल रहा है। डेढ़ वर्ष पूर्व यानी जून 2022 में ही गंगा पुल पर झूंसी साइड पहला गर्डर रखा गया था। यहां 25 पिलर पर कुल 24 गर्डर लगाए जाने हैं। वर्तमान समय झूंसी की ओर से 19 एवं दारागंज साइड में एक गर्डर लगा दिया गया है। तकरीबन 500 करोड़ की लागत से बन रहे इस पुल के निर्माण के बाद प्रयागराज से बनारस के बीच ट्रेनों की स्पीड बढ़ जाएगी। साथ ही वहां पहुंचने में भी कम वक्त लगेगा। आरवीएनएल के महाप्रबंधक वीके श्रीवास्तव ने बताया कि एक पिलर से दूसरे पिलर को जोड़ने के लिए लगाए जा रहे गर्डर का कुल वजन 650 टन है। वर्तमान समय एक गर्डर लगाने में अधिकतम 20 दिन का समय लग रह है। जनवरी 24 के अंत तक बचे हुए सभी गर्डर लगा दिए जाएंगे। बता दें कि दिवाली तक पुल पर 19 गर्डर लगा दिए गए थे।

जन सूचना

मैं संजय कुमार बाटला पुत्र श्री मोहन लाल सभी को सूचित कर रहा हूं जो व्यवसाय मै संजय बाटला के नाम से करता आ रहा था उसका नाम बदल कर ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज कर दिया गया है। इस व्यवसाय का जीएसटी नम्बर 07AEQPB9186G1Z3 जो पूर्व नाम से था वहीं है और आज से आप जो भी बिलिंग / आर्डर / पेमेंट भेजे कृप्या वह नए नाम ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज के नाम से भेजे। पुर्व के सभी लेन देन नए नाम से किए जाएंगे।
- जन सूचना हेतु

32 हजार संविदा ड्राइवर-कंडक्टरों का बढ़ा वेतन लागू, जानिए क्या होंगी भुगतान की नई दरें

परिवहन निगम के संविदा ड्राइवर व कंडक्टरों को बढ़ा हुआ वेतन पहली दिसम्बर से लागू कर दिया जाएगा। इससे लखनऊ में करीब तीन हजार सहित प्रदेशभर में तैनात 32 हजार कर्मियों को राहत हो जाएगी।

लखनऊ

नई दर से देय भुगतान एक दिसंबर से लागू होगा। इससे संविदा चालक परिचालकों को 750 रुपये से तीन हजार रुपये तक प्रतिमाह का लाभ होगा। परिवहन निगम के संविदा ड्राइवर व कंडक्टरों को बढ़ा हुआ वेतन पहली दिसम्बर से लागू कर दिया जाएगा। इससे लखनऊ में करीब तीन हजार सहित प्रदेशभर में तैनात 32 हजार कर्मियों को राहत हो जाएगी। वर्तमान में जो पारिश्रमिक में प्रति किमी. मिल रहा है, उसमें 14 पैसे की दर से अधिक भुगतान किया जाएगा। इस सम्बंध में रोडवेज के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को आदेश जारी किया है। यह जानकारी रोडवेज के प्रधान प्रबंधक(कार्मिक) अशोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि रोडवेज में कार्यरत ड्राइवरों-कंडक्टरों का पारिश्रमिक दरों को रिवाइज किया गया है। अभी तक 1.75 रुपये प्रति किमी की दर से भुगतान किया जा रहा था, जिसे अब बढ़ाकर 1.89 रुपए प्रति किमी. कर दिया गया है। नई दर से देय भुगतान एक दिसंबर से लागू होगा। इससे संविदा चालक परिचालकों को 750 रुपये से तीन हजार रुपये तक प्रतिमाह का लाभ होगा।

सिखाए जाएंगे रोडवेज बसों में आग से बचाव के तरीके

रोडवेज बसों में आग की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से दस उपाय तैयार किए गए हैं। जिनके जरिए बसों की गहन पड़ताल के साथ ड्राइवरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रदेशभर के 115 बस वर्कशॉप व 20 क्षेत्रीय डिपो में चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। रोडवेज के जनसम्पर्क अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि यह जांच सेवा प्रबंधक के नेतृत्व में होगी। प्रतिमाह अनुबन्धित बसों को संबंधित डिपो कार्यशाला व क्षेत्रीय कार्यशाला में चेकिंग के लिए सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक होंगे। कमियों को दूर कराकर ही बसें रूट पर भेजी जाएगी। इसके अलावा अग्निशमन यंत्र अनिवार्य होंगे। तेल की लीकेज न हो, इंजन साफ हो, खुली वायरिंग पर टेप लगा हो, बस में कोई भी साउंड सिस्टम न हो, बैट्री के तार से मोबाईल चार्जर न जुड़ा हो, ज्वलनशील पदार्थ पर रोक आदि।

कोहरे के कारण तीन महीने के लिए निरस्त हो रहीं कई ट्रेन, ये गाड़ियां हुई हैं प्रभावित

प्रयागराज

इसके अलावा नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस आदि ट्रेनों के भी रेलवे ने फेरे घटा दिए हैं। नियमित रूप से चल रही यह ट्रेनें अब अगले तीन माह सप्ताह में दो से चार दिन ही चलेंगी। खास बात यह है कि रेल इंजनों में एंटी फॉग डिवाइस लगाने के बावजूद ट्रेनें निरस्त की जा रहीं हैं।

एक दिसंबर से ही संभावित कोहरे की वजह से ट्रेनों का निरस्तीकरण शुरू हो जाएगा। जो ट्रेनें तीन माह के लिए निरस्त हो रही हैं, उसमें मुख्य रूप से प्रयागराज संगम-योगनगरी ऋषिकेश हरिद्वार एक्सप्रेस, प्रयागराज संगम-चंडीगढ़, प्रयागराज संगम-बरेली, कानपुर इंटर सिटी एक्सप्रेस प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस आदि ट्रेनों के भी रेलवे ने फेरे घटा दिए हैं। नियमित रूप से चल रही यह ट्रेनें अब अगले तीन माह सप्ताह में दो से चार दिन ही चलेंगी। खास बात यह है कि रेल इंजनों में एंटी फॉग डिवाइस लगाने के बावजूद ट्रेनें निरस्त की जा रहीं हैं।

प्रयागराज आने वाली यह ट्रेनें रहेंगी निरस्त

14308 बरेली-प्रयागराज संगम- एक दिसंबर से 29 फरवरी 24
14307 प्रयागराज संगम-बरेली - तीन दिसंबर से तीन मार्च 24
12538 प्रयागराज रामबाग-मुजफ्फरपुर - चार दिसंबर से 28 फरवरी 24
12537 मुजफ्फरपुर-प्रयागराज रामबाग - चार दिसंबर से 28 फरवरी 24
14229 प्रयागराज रामबाग-योग नगरी ऋषिकेश - तीन दिसंबर से 29 फरवरी 24
14230 योगनगरी ऋषिकेश - प्रयागराज रामबाग - चार दिसंबर से एक मार्च 24
12873 हटिया -आनंद विहार - चार दिसंबर से 29 फरवरी 24
12874 आनंद विहार -हटिया - पांच दिसंबर से एक मार्च 24
14218 चंडीगढ-प्रयागराज संगम - एक दिसंबर से 29 फरवरी 24
14217 प्रयागराज संगम - चंडीगढ- दो दिसंबर से एक मार्च 24
14006 आनंद विहार.-सीतामढ़ी -एक दिसंबर से 29 फरवरी 24
14005 सीतामढ़ी-आनंद विहार - तीन दिसंबर से दो मार्च 24
04056 आनंद विहार -बलिया - छह दिसंबर से 28 फरवरी 24
04055 बलिया-आनंद विहार - सात दिसंबर से 29 फरवरी 24
12873 हटिया-आनंद विहार- चार दिसंबर से 29 फरवरी 24
12874 आनंद विहार-हटिया - पांच दिसंबर से एक मार्च 24
22857 संत्रागाछी-आनंद विहार - चार दिसंबर से 26 फरवरी 24
22858 आनंद विहार-संत्रागाछी - पांच दिसंबर से 27 फरवरी 24
22198 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कोलकाता - एक दिसंबर से 23 फरवरी 24
22197 कोलकाता- वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - तीन दिसंबर से 25 फरवरी 24
22441 चित्रकूट धाम-कानपुर - एक दिसंबर से 29 फरवरी 24
22442 कानपुर - चित्रकूट धाम - एक दिसंबर से 29 फरवरी 24

इन ट्रेनों के कम किए गए हैं फेरे

12988 अजमेर-सियालदह, 12987 सियालदह-अजमेर, 22406 आनंद विहार- भागलपुर, 22405 भागलपुर -आनंद विहार, 12505 कामाख्या -आनंद विहार, 12506 आनंद विहार.-कामाख्या, 12226 दिल्ली-आजमगढ़, 12225 आजमगढ़ -दिल्ली, 12571 गोरखपुर-आनंद विहार, 12572 आनंद विहार-गोरखपुर, 12595 गोरखपुर-आनंद विहार, 12596 आनंद विहार -गोरखपुर, 15025 मऊ -आनंद विहार, 15026 आनंद विहार।

गोबिंद सागर झील के ऊपर 69 पिलरों पर बनेगा 2361 मीटर रेल ट्रैक, काम शुरू

बिलासपुर

मंडी-भराड़ी से खैरियां तक भानुपल्ली-बैरी रेल लाइन के दो वायाडक्ट बनाए जाएंगे। इनका काम शुरू कर दिया है। भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन का 2,361 मीटर ट्रैक गोबिंद सागर झील पर बनेगा। 69 पिलरों पर दो वायाडक्ट बनाकर रेल ट्रैक तैयार किया जाएगा। वायाडक्ट का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। तीसरे चरण का कार्य बिलासपुर शहर के साथ लगते खैरियां गांव से शुरू हुआ। 1,471 मीटर लंबा पहला वायाडक्ट खैरियां से शुरू होगा, जो झील के ऊपर से लुहणू घाट, व्यास गुफा से होते हुए नौण तक बनेगा। वायाडक्ट 43 पिलरों पर बनेगा। नाले के नौण के पास से 436 मीटर तक अर्थ वर्क यानि जमीनी निर्माण कार्य किया जाएगा। 890 मीटर लंबा दूसरा वायाडक्ट मंडी भराड़ी के पास बन रही रेल लाइन की टनल नंबर-16 तक बनेगा। यह 26 पिलरों पर बनेगा। खैरियां के पास ही घुमारवीं-बिलासपुर मार्ग पर बने चांदपुर के पास रेलवे अंडर ओवर ब्रिज बनाया जाएगा। इस तरह से मंडी-भराड़ी से खैरियां तक कुल 3465 मीटर लंबा ट्रैक बनाया जाएगा। निर्माण कार्य एचजी इंफ्रा कंपनी करेगी। रेल विकास निगम ने कंपनी को 466 करोड़ रुपये का टेंडर दिया है। कंपनी को निर्माण कार्य 30 माह में पूरा करना होगा। बता दें कि तीसरे चरण में मंडी भराड़ी से बैरी तक रेल लाइन का काम होगा। अभी मंडी-भराड़ी से खैरियां-बध्यात तक का काम आवंटित हुआ है। इससे आगे बैरी तक भूमि अधिग्रहण हो रहा है।

मंडी-भराड़ी से खैरियां तक भानुपल्ली-बैरी रेल लाइन के दो वायाडक्ट बनाए जाएंगे। इनका काम शुरू कर दिया है। दोनों वायाडक्ट इसलिए भी खास हैं, क्योंकि ये झील के ऊपर बन रहे हैं। निर्माण कार्य के लिए आधुनिक तकनीक और मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दस दिसंबर तक बदले मार्ग से चलेंगी छह ट्रेनें, इंटर लॉकिंग के कारण यात्रियों को होगी परेशानी

इसके चलते मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली दून, किसान, सियालदह व अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस समेत छह ट्रेनें तीन से 10 दिसंबर तक बदले मार्ग से चलेंगी।

मुरादाबाद

सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि लखनऊ मंडल के पटरंगा-रौजागांव-रुदौली रेलखंड में 10 दिसंबर तक इंटरलॉकिंग होगी। इसके चलते मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली दून, किसान, सियालदह व अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस समेत छह ट्रेनें तीन से 10 दिसंबर तक बदले मार्ग से चलेंगी। इसके कारण सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि (13009) पटरंगा-रौजागांव-रुदौली रेलखंड में 10 दिसंबर तक इंटरलॉकिंग होगी। इसके चलते मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली दून, किसान, सियालदह व अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस समेत छह ट्रेनें तीन से 10 दिसंबर तक बदले मार्ग से चलेंगी। इसके कारण सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि (13009) हावड़ा-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक वाराणसी-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लखनऊ होकर चलेगी। (13010) योगनगरी ऋषिकेश-हावड़ा एक्सप्रेस तीन दिसंबर से नौ दिसंबर तक लखनऊ-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-वाराणसी होकर चलेगी। (13307) धनबाद-फिरोजपुर केंट एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक वाराणसी-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लखनऊ होकर चलेगी। (15623) भगत की कोठी-कामख्या एक्सप्रेस पांच दिसंबर को लखनऊ-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-वाराणसी होकर चलेगी। (15934) अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस आठ दिसंबर को लखनऊ-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-वाराणसी होकर चलेगी। (13308) फिरोजपुर केंट-धनबाद एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक लखनऊ-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-वाराणसी होकर चलेगी। (15934) अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस आठ दिसंबर को लखनऊ-मां वेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-वाराणसी होकर चलेगी। (13151) कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक जाफराबाद-सुल्तानपुर-लखनऊ होकर चलेगी। (14650) अमृतसर-जयनगर एक्सप्रेस चार, छह व नौ दिसंबर को लखनऊ-बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर-छपरा होकर चलेगी।

नशे की हालत में होटल में तोड़फोड़, कर्मचारियों ने युवक को जमकर पीटा, पुलिस ने हिरासत में लिया

मुरादाबाद

पुलिस ने बताया कि होटल में तोड़फोड़ करने के आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल होटल प्रबंधन की तरफ से तहरीर नहीं दी गई है। आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली रोड स्थित होटल ड्राइव इन 24 में नशे की हालत में एक युवक ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। होटल के कर्मचारियों ने उसे पीटकर मझोला पुलिस के हवाले कर दिया। होटल प्रबंधक ने बताया कि एक स्कूटी से तीन लोग वीरवार की देर रात होटल में आए थे। स्कूटी सवारों में एक ने अत्यधिक नशे का सेवन कर लिया था। उस समय एक शादी समारोह में आए लोग लॉबी में मौजूद थे। इस बीच आरोपी ने शोर मचाते हुए दो गमले तोड़ दिए। उसके साथ दो अन्य लोग मौजूद थे। वह दावा कर रहा था कि उसने कमरा बुक कराया है लेकिन कर्मचारियों ने कहा कि उसने कोई कमरा बुक नहीं कराया है। विवाद बढ़ने पर कर्मचारियों ने उसकी पिटाई कर दी और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस आरोपी और उसके साथी को लेकर चली गई। पुलिस का कहना है कि अभी नशे में होने के कारण उसका सही नाम पता ज्ञात नहीं हुआ है। युवक पर चाकू से हमला, मारपीट कटघर थाना क्षेत्र के बलदेवपुरी में पेट्रोल पंप कर्मी को कुछ लोगों ने बुधवार की शाम घेरकर चाकू से हमला कर दिया। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। थाना कटघर के बलदेवपुरी निवासी मिथुन कश्यप ने बताया कि उसका भाई विपिन कश्यप पेट्रोल पंप पर काम करता है। उसकी मोहल्ले के एक परिवार से रंजिश चल रही है। बुधवार को शाम करीब चार बजे विपिन ड्यूटी के बाद घर लौट रहा था। इस बीच बलदेवपुरी में तीन लोगों ने उसको घेर लिया। आरोपियों ने विपिन के ऊपर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। चीखपुकार सुनते ही वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने विपिन को बचाया।

शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग, बुजुर्ग की मौत

गोरखपुर

फुलवरिया बड़ा टोला निवासी रामदास का परिवार पक्का मकान में रहता है। वह खुद रात में खाना खाने के पास घर से कुछ दूरी पर स्थित झोपड़ी में सोने चले जाते थे। बृहस्पतिवार की रात रात करीब 11 बजे बल्ब से जुड़े तार में शॉर्ट होने से झोपड़ी में आग पकड़ ली, जिससे झोपड़ी में सो रहा बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गया।

गोरखपुर जिले में गुलरिहा इलाके के फुलवरिया में बृहस्पतिवार की रात शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लगने से सोए बुजुर्ग की मौत हो गई। रात में शार्ट सर्किट की आग से बुरी तरह से झुलस गए थे और मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, इलाके के फुलवरिया बड़ा टोला निवासी रामदास (68) का परिवार पक्का मकान में रहता है।

वह खुद रात में खाना खाने के पास घर से कुछ दूरी पर स्थित झोपड़ी में सोने चले जाते थे।

बृहस्पतिवार की रात में खाना खाने के बाद रामदास घर के पास झोपड़ी में सोने चले गए।

रात करीब 11 बजे 100 वाट के बल्ब से जुड़े तार में शॉर्ट होने से झोपड़ी में आग पकड़ ली, जिससे झोपड़ी में सो रहा बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया। शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई।

कोहरे के चलते 24 ट्रेनें फरवरी तक हुईं निरस्त, कुछ के रूट बदले, यात्रा करने से पहले पढ़ लें लिस्ट...

लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि आने वाले समय में कोहरा अधिक होने के कारण रेल परिचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में कुछ ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

कोहरे के चलते डबलडेकर, हमसफर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें 29 फरवरी तक निरस्त रहेंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 12583/84 लखनऊ जं. आनन्दविहार टर्मिनल डबलडेकर एक्सप्रेस 29 फरवरी तक निरस्त रहेगी। वहीं, सात दिसंबर से 29 फरवरी तक 15621 कामाख्या आनंदविहार टर्मिनल, आठ दिसंबर से एक मार्च तक 15622 आनंदविहार टर्मिनल कामाख्या, सात दिसंबर से 29 फरवरी तक 14673 जयनगर अमृतसर एक्सप्रेस व पांच दिसंबर से 27 फरवरी तक 14674 अमृतसर जयनगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसी क्रम में 12529/30 पाटलिपुत्र लखनऊ जं. पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, 12571/72 गोरखपुर आनंदविहार टर्मिनल गोरखपुर, 15073/75 सिंगरौली शक्तिनगर टनकपुर एक्सप्रेस, 15074/76 टनकपुर सिंगरौली शक्तिनगर एक्सप्रेस, 15053/54 छपरा लखनऊ छपरा एक्सप्रेस, 15079/80 पाटलिपुत्र गोरखपुर पाटलिपुत्र, 15083/84 छपरा फरुर्खाबाद छपरा एक्सप्रेस, 12225/26 आजमगढ़ दिल्ली आजमगढ़ एक्सप्रेस व 11123/24 ग्वालियर बरौनी ग्वालियर एक्सप्रेस अलग-अलग तारीखों में निरस्त रहेंगी।

निरस्त रहेगी लखनऊ-अयोध्या पैसेंजर, बदले रूट से चलेगी दून

सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि ट्रेन नंबर 04203 अयोध्या छावनी-लखनऊ स्पेशल (अनारक्षित) व 04204 लखनऊ-अयोध्या छावनी स्पेशल चार से 10 दिसंबर तक निरस्त रहेंगी। वहीं 13009/10 दून एक्सप्रेस, 13307/08 गंगा सतलज एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक, 15934 अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस आठ दिसंबर को, 15623 भगत की कोठी-कामाख्या एक्सप्रेस पांच दिसंबर को मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ स्टेशन के रास्ते चलाई जाएंगी। इसी क्रम में 13238 कोटा पटना एक्सप्रेस तीन, सात व आठ दिसंबर को, 13484 दिल्ली जं. मालदाटाउन फरक्का एक्सप्रेस तीन, पांच, सात व आठ दिसंबर को, 15636 गुवाहाटी ओखा द्वारिका एक्सप्रेस चार दिसंबर को, 15668 कामाख्या गांधीधाम एक्सप्रेस छह दिसंबर को व 13151 कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस तीन से नौ दिसंबर तक सुल्तानपुर के रास्ते चलाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त 14650 सरयू यमुना एक्सप्रेस चार, छह व नौ दिसंबर को, 15023 सरयू यमुना एक्सप्रेस पांच को, 15024 यशवंतपुर गोरखपुर एक्सप्रेस सात को, 05615 उदयपुर सिटी गुवाहाटी छह को, 19615 उदयपुर सिटी कामाख्या कविगुरु एक्सप्रेस चार को व 19053 सूरत मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस आठ दिसंबर को गोंडा के रास्ते चलाई जाएगी।

दिसंबर में 13 दिन नहीं चलेगी त्रिवेणी एक्सप्रेस

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि आने वाले समय में कोहरा अधिक होने के कारण रेल परिचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में कुछ ट्रेनों को निरस्त किया गया है। टनकपुर से सिंगरौली/शक्तिनगर तक जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस 02, 05, 06, 09, 12, 13, 16, 19, 20, 23, 26, 27, 30 दिसंबर को नहीं चलेगी। इसके बाद जनवरी 2024 में 02, 03, 06, 09, 10, 13, 16, 17, 20, 23, 24, 27, 30, 31 को ट्रेन नहीं चलेगी। इसके बाद 03, 06, 07, 10, 13, 14, 17, 20, 21, 24, 27 एवं 28 फरवरी 15074/15076 टनकपुर-सिंगरौली/शक्तिनगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसके अलावा सिंगरौली/शक्तिनगर से टनकपुर तक आने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस 03, 06, 07, 10, 13, 14, 17, 20, 21, 24, 27, 28, 31 दिसंबर 2023 तक नहीं चलेगी। इसके अलावा 2024 के पहले महीने की 03, 04, 07, 10, 11, 14, 17, 18, 21, 24, 25, 28, 31 जनवरी को ट्रेन नहीं चलेगी। इसके बाद 01, 04, 07, 08, 11, 14, 15, 18, 21, 22, 25, 28 एवं 29 फरवरी को भी ट्रेन निरस्त रहेगी।

शादी में रणदीप और लिन ने पहना मणिपुर का पारंपरिक परिधान

एनटीवी

सरबजीत जैसी फिल्मों से काम करके अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत चुके रणदीप हुड्डा ने बुधवार को अपनी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम से साथ शादी रचाई। शादी का ये कार्यक्रम मणिपुर के इंफाल में आयोजित किया गया था, जिसमें अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच रणदीप शादी के बंधन में बंध गए।

दोनों ने कुछ दिन पहले ही अपनी शादी की तारीख का ऐलान कर दिया था, ऐसे में हर कोई उनकी शादी की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। दोनों ने मणिपुरी रस्मों के साथ शादी रचाई, जिस वजह से लोगों को इनका वेडिंग लुक काफी प्यारा दिख रहा है। शादी की तस्वीरों में दोनों के बीच खूबसूरत कैमिस्ट्री देखने को मिल रही हैं। रणदीप ने शादी की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, कि आज से हम एक हैं। ऐसे में लोग अब उन्हें जम कर बधाईयां दे रहे हैं।

अब बात करते हैं दोनों के वेडिंग लुक की। रणदीप और लिन ने अपनी शादी में मणिपुरी पारंपरिक परिधान पहना था। लिन ने अपनी शादी से लिए लहंगा छोड़ पोलाई को चुना। बहुत से लोगों को इस पारंपरिक परिधान के बारे में पता नहीं है, ऐसे में आज हम आपको इसके बारे में बताएंगे।

रणदीप की दुल्हनिया ने पहना था पोलाई

वैसे तो ज्यादातर दुल्हनें अपनी शादी के लिए लहंगा या साड़ी ही चुनती हैं, लेकिन लिन ने अलग मिसाल कायम की। उन्होंने अपनी शादी के लिए मणिपुर का पारंपरिक परिधान पोलाई पहना था। उनका शादी का जोड़ा पोलाई लाल रंग का था, जिस पर सफेद रंग के भारी काम किया गया था। उन्होंने अपने इस लुक के साथ काले रंग का ब्लाउज भी पहना था।

क्या होता है पोलाई

आपको बता दें कि मणिपुरी दुल्हनों के लिए पोलाई ड्रेस काफी ज्यादा खास होती है। इसे कई जगह पोटलोई भी कहते हैं। इस ड्रेस को को पूरा करने के लिए लकड़ी से एक स्कर्ट तैयार की जाती है। जिसे कपड़े से खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है। इस पर शीशे और कढ़ाई का भारी काम भी किया जाता है। इसके साथ ही पोलोई के साथ हैवी ज्वेलरी कैरी की जाती है और बालों को खुला रखा जाता है।

कैरी की थी हैवी ज्वेलरी

इसी के चलते लिन ने भी अपने बालों को खुला रखते हुए काफी हैवी ज्वेलरी कैरी की थी। उन्होंने गले में कई गोल्ड के कई आभूषणों को पहना था। सिर पर ताज की तरह जो गहने थे, वो उन्हें काफी रॉयल लुक दे रहे थे।

कैसा था रणदीप का लुक

अगर बात करें रणदीप की तो अपनी एक्टिंग की वजह से पहचाने जाने वाले रणदीप अपनी शादी में मणिपुरी स्टाइल में ही दुल्हा बने थे। उन्होंने भी पत्नी की ही तरह मणिपुर के पारंपरिक परिधान को ही कैरी किया था।

व्हाइट लुक में दिखे हैंडसम

सबसे पहले आपको बता दें कि मणिपुरी दूल्हे की पारंपरिक पोशाक में पुण्यात (कुर्ता), फीजोम (धोती), इन्नाफी (ऊपरी हिस्से के चारों ओर लपेटा जाने वाला कपड़ा) कहते हैं। एक्टर ने भी इसी परिधान को कैरी किया था। अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्टर ने ङ्क्ष्ट टी३ पगड़ी बांधी थी। इस पूरे लुक में वो काफी स्मार्ट दिख रहे थे।

जल्द देंगे रिसेप्शन

रिपोर्ट्स की माने तो मणिपुर से लौटकर रणदीप और लिन ग्रैंड रिसेप्शन देने की तैयारी में भी हैं। हालांकि दोनों की ओर से अभी रिसेप्शन को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी लेकिन फैंस को इनकी और तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार है।

अगर आपके दोस्त भी देते हैं घास-फूस खाने का ताना, तो Vegetarian Diet के इन 6 फायदों से करें उनकी बोलती बंद

एनटीवी

हेल्दी रहने के लिए संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर खाना काफी जरूरी होता है। पौष्टिक होने के साथ खाने स्वादिष्ट होना भी जरूरी है। यही वजह है कि लोग अपनी पसंद के मुताबिक खाना खाते हैं। कुछ लोग जहां वेज खाना पसंद करते हैं, तो वहीं कुछ नॉनवेज के शौकीन होते हैं। हालांकि, शोध से यह पता चलता है कि शाकाहारी भोजन (VegetarianDiet) करने वाले लोगों में नॉनवेज खाने वाले लोगों की तुलना में दिल की बीमारी होने की संभावना 24% कम होती है। आइए इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं वेजिटेरियन डाइट के कुछ ऐसे ही फायदों के बारे में-

वेट कंट्रोल करे

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो वेजिटेरियन डाइट इसमें काफी मददगार साबित होगी। दरअसल, इस तरह की डाइट में कैलोरी और सेचुरेटेड फैट कम होता है और फाइबर ज्यादा होता है, लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

कैंसर रोकने में मददगार

कुछ अध्ययनों की मानें तो वेजिटेरियन डाइट में कुछ कैंसर, विशेष रूप से कोलोरेक्टल, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फलों और सब्जियों का ज्यादा सेवन कैंसर की रोकथाम में अहम भूमिका निभा सकते है।

दिल को बनाए हेल्दी

वेजिटेरियन डाइट वाले लोगों को हार्ट डिजीज का खतरा काफी कम होता है। इसमें आमतौर पर ऐसे फूड आइटम्स शामिल होते हैं, जो फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और हेल्दी फैट जैसे दिल के लिए सेहतमंद पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकते हैं।

किडनी का कार्य बेहतर करे

प्लांट बेस्ड डाइट खाने से आपकी किडनी को भी काफी फायद मिलता है। दरअसल, वेजिटेरियन डाइट आपकी किडनी की कार्यक्षमता में सुधार लाने में मदद कर सकता है। साथ ही इससे किडनी स्टोन का खतरा भी कम होता है और किडनी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिलती है।

टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम करे

शोध से पता चलता है कि वेजिटेरियन डाइट फॉलो करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा भी कम हो सकता है। वेजिटेरियन डाइट में शामिल साबुत अनाज, फल, सब्जियां और बीन्स ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

पाचन स्वास्थ्य बेहतर बनाए

शाकाहारी भोजन में मौजूद फाइबर की मात्रा आपका पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती है। यह कब्ज को रोकने में मदद करता है, हेल्दी गट माइक्रोबायोम को सपोर्ट करता है और डायवटीर्कुलिटिस जैसी स्थितियों के विकास के खतरे को कम कर सकता है।

बढ़ते-बढ़ते टूट जाते हैं नाखून तो अपनाएं ये आसान उपाय, नेचुरल तरीके से बढ़ेगी लंबाई

एनटीवी

शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में जिसके घर में शादी है, वो जमकर शॉपिंग में जुटा है। एक समय था जब सिर्फ दूल्हा और दुल्हन को तैयार करने में सभी का फोकस रहता था, लेकिन अब समय बदल गया है। आज के समय में हर कोई शादी में खास दिखने की तैयारी करता है।

खासतौर पर अगर बात करें महिलाओं और लड़कियों की, तो वो तो शादी की तैयारियां लंबे समय पहले ही शुरू कर देती हैं। कपड़ों और मेकअप की तैयारी तो हो जाती है, लेकिन आज के समय में नाखूनों को भी अच्छे से सजाने का रिवाज है।

पहले महिलाएं नेचुरल तरह से नाखूनों की लंबाई बढ़ाती थीं, लेकिन अब बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से ज्यादातर लड़कियों के नाखून काफी कमजोर हो जाते हैं, जिस वजह से ये अपने आप ही टूटने लगते हैं। अगर आपके साथ भी यही दिक्कत है तो हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप अपने नाखूनों को मजबूत और खूबसूरत बना सकती हैं।

नारियल का तेल

इसमें विटामिन ई के साथ-साथ कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो नाखूनों को अच्छी तरह से बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में आप इसके इस्तेमाल से मजबूत नाखून पा सकते हैं। इसका इस्तेमाल भी काफी आसान है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको पर रात को सोते वक्त इस तेल से नाखूनों की मालिश करनी है।

नींबू का रस

इसमें काफी ज्यादा मात्रा में विटामिन सी मौजूद होता है। ऐसे में कम से कम दिन में एक बार नाखूनों पर नींबू का रस जरूर लगाएं। इसका इस्तेमाल काफी सरल है। इस्तेमाल के लिए बस नाखूनों की नींबू के रस से मालिश करें और फिर इसे गर्म पानी से धो लें।

विनेगर

इसमें एंटी-फंगल गुण पाया जाता है, जिस वजह से ये आपके नाखूनों को फंगल से बचाकर उसे मजबूती प्रदान करता है। इसके इस्तेमाल से नाखूनों की लंबाई भी बढ़ती है। आप नाखूनों पर रूई की मदद से विनेगर लगाकर छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से हाथ धो लें।

जरूर लगाएं बेस

नेल पॉलिश में तमाम तरह के केमिकल पाए जाते हैं। ऐसे मे अगर आप इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले बेस कोट जरूर लगाएं।

इससे आपके नाखून केमिकल से दूर रहेंगे।

सर्दी में अटेंड करनी है शादी तो ठंड से बचाने के लिए अपनाएं ये तरीके, लुक भी दिखेगा स्टाइलिश

एनटीवी

शादियों का सीजन सर्दी के मौसम में ही शुरू होता है। लड़के तो ठंड के मौसम में आराम से अपना कोट पैंट पहनकर सर्दी से बचाव कर लेते हैं, लेकिन परेशानी सामने आती है महिलाओं के सामने। दरअसल, शादी में ठंड चाहे जितनी भी हो, लेकिन उसमें भी महिलाएं स्वेटर पहनना या शॉल ओढ़ना पसंद नहीं करतीं। ऐसे में कई बार सर्द हवाओं से तबियत तक खराब होने की संभावना बनने लगती है। इसी के चलते इस मौसम में फैशन दिखाने के साथ-साथ ठंड के बचना भी बेहद जरूरी होता है।

अगर आपको भी इस मौसम में कोई शादी अटेंड करनी है, जिसमें आप फैशनेबल भी दिखना चाहती हैं।

तो ये लेक आपके लिए है। हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप खूबसूरत अंदाज भी दिखा सकेंगी और साथ में आपको सर्दी भी नहीं लगेगी। इन हैक्स को फॉलो करने के लिए आपको बस कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

लहंगा या साड़ी के साथ पहनें फुल स्लीव

अगर आप शादी के दिन लहंगा या साड़ी पहन रहीं हैं तो उसके साथ फुल स्लीव ब्लाउज कैरी करें। फुल स्लीव ब्लाउज आपको सर्दी से बचाने में मदद करेगा। हालांकि इससे ज्यादा ठंड नहीं बचेगी, लेकिन थोड़ी राहत मिल सकती है।

लहंगा-साड़ी के अंदर पहनें थर्मल

आप चाहें तो लहंगा या फिर साड़ी के साथ अंदर थर्मल पहन सकती हैं। ये आपको पूरी तरह ठंड से बचाने में मदद करेगा। इसके साथ ही इसे पहनने से आपका स्टाइलिश भी खराब नहीं होगा।

एथनिक के साथ पहनें जैकेट

आजकल के समय में एथनिक वियर के साथ जैकेट्स पहनने का काफी ट्रेंड है। अगर आपको ज्यादा ठंड लगती है तो लहंगा या साड़ी के साथ आप जैकेट पहन सकती हैं। ये आपके लुक को स्टाइलिश बनाने में मदद करेगा।

ऐसे फुटवियर को चुनें

अगर आप अपने पैरों को कवर करके रखेंगी तो ठंड से बचाव हो सकता है। ऐसे में एथनिक वियर के साथ मोजरी जैसे फुटवियर का चुनाव करें, जोकि आगे से बंद हों। इसके साथ से लिए आपको मोजे भी मिल जाएंगे।

स्नीकर्स भी पहन सकती हैं

आजकल के समय में तो लड़कियां लहंगे के साथ जूते पहनना पसंद करती हैं। आपको बाजार में अपने आउटफिट की मैचिंग के स्नीकर्स आसानी से मिल जाएंगे। आप चाहें तो इसे कस्टमाइज करा सकती हैं।

ऐसे फैब्रिक को दें प्राथमिकता

अगर आपको काफी ज्यादा ठंड लगती है तो वेलवट फैब्रिक का इस्तेमाल कर सकती हैं।

लहंगे से लेकर अनारकली सूट और ब्लाउज वेलेवट हर तरह से खूबसूरत दिखेगा। ये ठंड से बचाता है।

संक्षिप्त खबरें

भोजपुर में गाली देने का विरोध करने पर संघर्ष

मोदीनगर। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव मछरी में किसान की ट्यूबवेल पर गाली-गलौज कर रहें दबंगों ने किसान के परिवार पर लाठी डंडों और धारदार हथियार से हमला बोल दिया। हमले में पिता व उसके दो पुत्र घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामले में नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की वजह से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस गश्त कर रही है। जयवीर सिंह ने बताया कि गांव निवासी इस्माइल, फैजान और अमरेज आए दिन उनकी ट्यूबवेल पर बैठकर अभद्रता करते रहते हैं। बुधवार शाम जयवीर सिंह अपने भाई महक सिंह और पिता सुक्कन के साथ खेत पर गए थे, तो तीनों उनकी ट्यूबवेल पर बैठे हुए गाली गलौज कर रहे थे। किसान ने उन्हें गाली देने से मना किया तो आरोपी आग बबूला हो गए और किसान परिवार से भिड़ गए। आरोपियों ने अपने साथियों को फोन कर बुला लिया। मौके पर आरोपियों के कई साथी लाठी डंडे व धारदार हथियार लेकर पहुंच गए और किसान परिवार पर हमला कर दिया। काफी देर तक हमलावरों में जमकर कहर बरपाया। हमले में किसान जयवीर, भाई महक और पिता सुक्कन घायल हो गए। शोर शराबा सुनकर ग्रामीणों की भीड़ को आता देख आरोपी मौके से भाग गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि इस्माइल, फैजान, अमरेज, शहनवाज, आवेज, नासिर, अनस, अलीशेर और आमिर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना से हिंदू संगठनों में आक्रोश गांव में किसान परिवार पर जानलेवा हमले से हिंदू संगठनों में आक्रोश है। हिंदू जागरण मंच के नेता नीरज शर्मा ने चेतावनी दी कि हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह आंदोलन करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी जंगल में जाकर सट्टेबाजी करते है। सट्टा लगाने का विरोध करने पर ही आरोपियों ने किसान परिवार को जान से मारने का प्रयास किया।

प्रॉपर्टी डीलर के घर में चोरी करने वाले छह बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोरटी गांव में प्रॉपर्टी डीलर रोहित चौधरी के घर में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने छह बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 15.27 लाख की रकम, एक पिस्टल, आठ लाख के गहने, एक लाख की कीमत की एलईडी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, उमेश, सन्नी, ललित, पप्पू निवासी नंदग्राम और मोहित व कबीर निवासी कड़कड़, साहिबाबाद ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। मोहित व कबीर दोनों सगे भाई हैं। सभी के खिलाफ चोरी, एनडीपीएस समेत अन्य मामलों में अलग अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। 22 लाख की रकम में से सात लाख रुपये उमेश ने खर्च कर दिए। 18 नवंबर को मोरटी में रोहित चौधरी अपने परिवार के साथ बुलंदशहर रिश्तेदारी में गए थे। जहां रोहित का घर पर वहां पर ज्यादा आबादी नहीं है। आसपास कई प्लॉट खाली पड़े हैं। इसी मौके का फायदा उठाकर चोरों ने मकान का ताला तोड़ दिया और वहां से नकदी, गहने, एलईडी चोरी कर ली। उन्होंने मामले में नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल ने बताया कि पूछताछ में सन्नी ने बताया कि कुल 22 लाख रुपये की चोरी हुई थी। यह बात उसको तीसरे दिन पता चली। लेकिन उमेश ने सारी रकम अपने पास रख ली और उनको नहीं बताया। उनको केवल गहने बंटवारे में मिले थे। चोरी के वक्त रुपयों से भरा बैग उसने मकान के पीछे झाड़ियों में छिपा दिया। बाद में आकर उसको उठाकर ले गया और मेरठ दौराला में अपने गांव चला गया।

सड़क किनारे खड़े हवाई जहाज को देखने के चक्कर में दो और की मौत

● इनमें छह लोगों की जान जा चुकी है और 20 लोग घायल हुए हैं। हर हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस के अफसर कहते हैं कि इन्हें रोकने का प्रयास किया जाएगा और जल्द ही जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

एनटीवी

गाजियाबाद/मसूरी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मसूरी क्षेत्र के रेस्ट एरिया में पुराने हवाई जहाज में बने रेस्तरां को देखने के चक्कर में दो और युवकों की जान चली गई। हादसा बुधवार की रात करीब 11 बजे हुआ। बाइक चला रहे युवक की नजर जैसे ही हवाई जहाज पर पड़ी, वैसे ही उसका ध्यान भटक गया। अगले ही पल बाइक आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवकों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में राहुल (22) निवासी बिस्नौली, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर और शिवनंदन (20) निवासी मान सरोवर पार्क, बम्हैटा, गाजियाबाद की मौत हो गई। सागर निवासी डेरी मच्छा, थाना बादलपुर, गौतमबुद्धनगर घायल है। उसका जीटीबी दिल्ली में उपचार चल रहा है। एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि तीनों दोस्त बुधवार रात को मेरठ में अपने दोस्त के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। रात को तीनों बाइक से लौट रहे थे। करीब 11 बजे के आसपास जब वह दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पुराने हवाई जहाज में बने हवा-हवाई रेस्तरां के सामने पहुंचे तो उनकी बाइक आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। तीनों को संयुक्त जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां राहुल और शिवनंदन को मृत घोषित कर दिया गया। घायल सागर ने पुलिस को बताया कि बाइक राहुल चला रहा था। उसका ध्यान हवाई जहाज पर चला गया, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। हादसे के बाद चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया। सागर ने बताया कि वह नोएडा की एक कंपनी में साथ काम करते थे। 11 महीने में नौ हादसेछह की जा चुकी जान दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हवा-हवाई रेस्टोरेंट के आसपास इस साल के 11 महीनों में नौ हादसे हो चुके हैं। इनमें छह लोगों की जान जा चुकी है और 20 लोग घायल हुए हैं। हर हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस के अफसर कहते हैं कि इन्हें रोकने का प्रयास किया जाएगा और जल्द ही जरूरी कदम उठाए जाएंगे। लेकिन, इसके बाद इसकी याद अगला हादसा हो जाने पर ही आती है। बुधवार को डीएम ने सड़क सुरक्षा सप्ताह की बैठक में चेतावनी दी थी कि हादसा हुआ तो अफसर जिम्मेदार माने जाएंगे। अगले दिन ही हादसा हो गया। -9 नवंबर को हवाई जहाज देखने के चक्कर में ध्यान भटकने पर विपिन निवासी जाहिद्पुर, थाना सरूरपुर, मेरठ की मौत हो गई थी। वह स्कूटी से अपनी बहन की शादी का दोस्तों को कार्ड देने जा रहा था। -13 जुलाई को रामबीर निवासी फरीदाबाद अपने परिचित मोहित के साथ बाइक से फरीदाबाद जा रहे थे। रेस्ट एरिया के पास हादसे में रामबीर की जान चली गई। मोहित घायल हो गए थे। -2 नवंबर को हवाई जहाज देखने के लिए रुकी इको कार में पीछे से वैगनआर ने टक्कर मार दी। गनीमत रही कि उस वक्त कार में कोई नहीं बैठा था। -18 अगस्त को मुजफ्फरनगर के नई मंडी निवासी विकास मलिक अपनी मां मुकेश देवी के साथ बाइक से नोएडा जा रहे थे। हवा हवाई रेस्तरां के पास उनकी बाइक आगे चल रहे वाहन की घुस गई थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। -24 अगस्त को हवाई जहाज देखने की चक्कर में ध्यान भटकने पर ही छह कारें आगे पीछे एक दूसरे से भिड़ गई थीं। इसमें 12 लोग घायल हुए थे। वाहनों में काफी नुकसान हो गया था। -14 सितंबर को हवा-हवाई रेस्टोरेंट के पास यूपी रोडवेज की बस लहराते हुए 20 फुट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 20 से ज्यादा सवारियां भी सवार थीं।

जिलाबदर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए दरोगा को जाना पड़ा कोर्ट

गाजियाबाद। सिहानी गेट थाने में तैनात रहे एक दरोगा को खुद पर हुए जानलेवा हमले के मामले में जिलाबदर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोर्ट जाना पड़ा। आरोप है कि पुलिस आयुक्त से लेकर तमाम अधिकारियों से उन्होंने गुहार लगाई लेकिन थाने में उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी। इसलिए उनको कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट ने अब कविनगर पुलिस को मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। लोकेंद्र सिंह की तैनाती इन दिनों पुलिस लाइन में है। लोकेंद्र सिंह ने कोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि वह चार अगस्त को कोर्ट में जा रहे थे, तभी उन पर चंदक्रांत व उसके बेटे गौरव निवासी कमला क्वार्टर भाटिया मोड़ ने हमला कर दिया। पिस्टल से फायर किया और उनके हाथ से सरकारी कागज छीनकर फाड़ दिए। मामले में उन्होंने इसकी शिकायत कविनगर पुलिस को दी थी लेकिन एसएचओ ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद वह एसीपी से मिले, उन्होंने भी इसका संज्ञान नहीं लिया। डीसीपी व पुलिस आयुक्त से भी वह मिले, लेकिन अधिकारियों ने उनकी मदद नहीं की। लोकेंद्र ने बताया कि चंद्रकांत व गौरव जिलाबदर हैं, उनके खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पिछले दिनों चंद्रकांत व गौरव के खिलाफ आई एक शिकायत की उन्होंने जांच की थी

कई मौके आए जब धड़कनें रुकने जैसी हालत हो गई : वीके सिंह

एनटीवी

गाजियाबाद। उत्तरकाशी में सिल्कियारा और बारकोट के बीच बन रही सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने के लिए चलाए गए ऑपरेशन में स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई। बृहस्पतिवार को अपने संसदीय क्षेत्र में लौटकर उन्होंने मीडिया और क्षेत्र की जनता से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि 17 दिन चले इस अहम ऑपरेशन में कई मौके ऐसे आए जब धड़कनें रुकने जैसी हालत हो गई। लगता था कि कहीं सारी मेहनत पर पानी न फिर जाए। जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने बताया कि सिल्कियारा में पहाड़ ज्यादा पुराने नहीं थे, पक्के पहाड़ों में सुरंग बनाने में खतरा कम होता है। कच्चे पहाड़ होने की वजह से ही उनमें अस्थिरता ज्यादा है और इसीलिए उनके दरक जाने से यह संकट पैदा हुआ। पहाड़ दरकने के बाद मुश्किलें और बढ़ गई थी। मशीनों को इतनी धीमी गति से चलाया गया कि पहाड़ों में कंपन कम से कम हो, ताकि और नई मुश्किलें खड़ी न हो सके। जब भी मशीनें बंद हो जाती तो दिल की धड़कनें और तेज हो जाती थीं इस पूरे ऑपरेशन की सफलता में पीएमओ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय का बड़ा अहम रोल रहा है। श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए जिस भी संसाधन या टीम की जरूरत थी, पीएमओ और सीएम ने उस पर तत्काल निर्णय लेकर उपलब्ध कराया। उन्होंने बताया कि टनल का निर्माण पूरा कराकर चार धाम यात्रा के लिए बनाए जा रहे कॉरिडोर का काम जल्द ही पूरा कराया जाएगा। इस हादसे से ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट नहीं रुकेगा। एयरलिफ्ट कराई गई थीं ऑगर मशीनें पहले एक ऑगर मशीन उत्तरांखड सिंचाई विभाग से ली गई, लेकिन यह कम पावर की थी और बीच में फंस गई। इसके बाद नजफगढ़ से 1700 हार्सपावर की ऑगर मशीन एयरलिफ्ट करके मंगाई गई, लेकिन यह मशीन भी लोहे की रॉड में फंसकर टूट गई। इसके बाद इंदौर से ऑगर मशीन लाई गई, लेकिन यह मशीन भी बुरी तरह फंस गई। तीन ऑगर मशीन खराब हो जाने के बाद पहाड़ों के ऊपर से दो जगह ड्रिल करने का काम शुरू कर दिया गया था। एक जगह करीब 8.2 मीटर गहरी खोदाई कर ली गई थी। इसी दौरान अन्य विकल्पों पर काम करते हुए टिहरी हाईड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को बारकोट की साइड में और रेल विकास निगम लिमिटेड को एक अन्य प्वाइंट से मिनी टनल बनाने का काम सौंप दिया गया था। इसी दौरान मैनुअल तरीके से खोदाई कराने के लिए रैट माइनर्स बुलाए गए। उन्होंने खोदाई करते-करते एक पाइप श्रमिकों तक पहुंचाया और उन्हें बाहर निकालने में सफलता मिल सकी।

डीपफेक वीडियो : एडीजी के नाम पर बुजुर्ग से 74 हजार की ठगी

● इसके बाद दोबारा व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आई, जिसमें बात करने वाले ने खुद को एडीजी बताया। आवाज आ रही थी

एनटीवी

गाजियाबाद। गोविंदपुरम के हरसांव गांव में बुजुर्ग अरविंद शर्मा से ठग ने डीप फेक वीडियो के जरिये कॉल कर 74 हजार रुपये की ठगी कर ली। कॉलर ने खुद को एडीजी बताते हुए उनको जेल जाने के नाम पर डराया था। वीडियो की जांच करने पर पता चला कि ठग ने रिटायर्ड एडीजी प्रेम प्रकाश की बोलती हुई वीडियो को एडिट कर बुजुर्ग को झांसे में लिया। मामले में कविनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि डीपफेक वीडियो बनाकर ठगी की यह प्रदेश की पहली घटना है। हरसांव गांव के 75 वर्षीय बुजुर्ग अरविंद शर्मा ने बताया कि उन्होंने पहली बार स्मार्टफोन लिया था। उसमें फेसबुक अकाउंट बनाकर लॉगइन किया तो अनजान नंबर से कॉल आई। पहली बार में कॉल कट गई तो फिर वीडियो कॉल आई। उसमें नग्न महिला दिख रही थी। इसको उन्होंने काट दिया। इसके बाद दोबारा व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आई, जिसमें बात करने वाले ने खुद को एडीजी बताया। आवाज आ रही थी कि उन्होंने महिला से अश्लील बातें की हैं, उसको अब जेल जाना पड़ेगा। डर की वजह से ट्रांसफर किया पैसा जेल की बात सुनकर वह डर गए। इसके बाद ठग ने कहा कि जान बचानी है तो एक लाख रुपया तत्काल ट्रांसफर कर दो, मैं इस मामले को निपटवाता हूं। बदनामी के डर से उन्होंने 74 हजार रुपये दिए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। ठग ने दोबारा उनको कॉल कर और रकम की मांग की। इसके बाद बुजुर्ग तनाव में आ गए। बेटी ने किए सवाल तो काट दिया फोन बुजुर्ग ने अपनी बेटी मोनिका से इसका जिक्र किया तो उन्होंने नंबर पर कॉल की। मोनिका ने पूछा कि तुम कहां पर तैनात हो, क्या रैंक है जैसे सवाल किए तो उसने फोन काट दिया। इसकी उन्होंने दूसरे फोन से वीडियो बना ली। जानकारी करने पर पता चला कि पुलिस अधिकारी की वर्दी में जो शख्स होंठ हिलाते हुए दिख रहे हैं, वह रिटायर्ड एडीजी प्रेमप्रकाश की वीडियो है। इसके बाद मामले में मोनिका ने कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। ठगों ने वीडियो बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया है

किसानों ने आवास विकास कार्यालय पर जड़ा ताला

लोनी। बढ़े मुआवजे समेत अन्य मांगों को लेकर सात सालों से धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बृहस्पतिवार को मंडोला आवास विकास कार्यालय पर तालाबंदी की। मांग पूरी नहीं होने पर किसानों ने जमकर नारेबाजी की। किसानों ने समस्या का समाधान होने के बाद ताला खोलने की बात कही है। किसान नेता नीरज त्यागी ने बताया कि मंडोला समेत छह गांव के किसान अपनी मांगों को लेकर सात सालों से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार किसानों की मांग को नजरअंदाज कर रही है। अधिकारियों ने जल्द शासन से किसानों की वार्ता कराने का आश्वासन दिया था लेकिन कोई वार्ता नहीं हुई है। शासन की तरफ से एक पत्र जारी हुआ है। उस पत्र को किसानों को नहीं दिखाया गया है। भारतीय किसान यूनियन के राकेश टिकैत के नेतृत्व में यह धरना चल रहा है। मास्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि किसानों ने आवास विकास कार्यालय पर तालाबंदी कर दी है। अधिकारियों से ठोस जवाब आने के बाद ही किसान आगे का निर्णय लेंगे।

डॉक्टर बताकर की शादी, निकला डिलीवरी बॉय

● इसे देखकर ही वह धोखा खा गईं। परिजनों ने शादी पर 15 लाख रुपये खर्च कर दिए। शादी के बाद पता चला कि वह बहुत कम पढ़ा-लिखा है

एनटीवी

गाजियाबाद। डिलीवरी बॉय का काम करने वाले युवक ने पेशे से वकील युवती की आंखों में धूल झोंककर उससे शादी कर ली। युवती का आरोप है कि युवक ने खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताया था। धोखा देने के लिए उसने मेट्रोमोनियल साइट पर अपना फोटो डॉक्टर की यूनिफार्म में ही डाल रखा था। इसमें उसके गले में स्टेथोस्कोप भी था। इसे देखकर ही वह धोखा खा गईं। परिजनों ने शादी पर 15 लाख रुपये खर्च कर दिए। शादी के बाद पता चला कि वह बहुत कम पढ़ा-लिखा है और जोमेटो में डिलीवरी बॉय का काम करता है। युवती ने वन स्टॉप सेंटर में शिकायत करके बताया कि उसकी हकीकत सामने आने के बाद भी दिल पर पत्थर रखकर धोखे को भी अपनी किस्मत का लिखा मानकर इसे बर्दाश्त करने का प्रयास किया। लेकिन, जब उसकी पोल खुल गई तो उसने अपना असली रंग भी दिखा दिया। युवती का आरोप है कि वह जरा-जरा सी बात पर उसे पीटने लगा। दोनों के बीच कई बार झगड़ा हुआ। पानी जब सिर से ऊपर जाने लगा तो उसे वन स्टॉप सेंटर में आकर शिकायत करनी पड़ी। काउंसलर अंजना चौहान ने बताया कि युवती की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। दो साल तक लगातार उसकी पिटाई और झगड़े झेलती रही। चार काउंसिलिंग के बाद भी जब समझौते की गुंजाइश नहीं दिखी तब विजयनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। हिम्मत दिखा रही हैं महिलाएं वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर प्रीति मलिक ने बताया कि यहां ज्यादातर मामले घरेलू हिंसा के आ रहे हैं। इनमें आधे से ज्यादा केस ऐसे हैं जिनमें महिलाएं लंबे समय तक हिंसा को चुपचाप सहन करती रहती हैं। कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें महिलाएं कानूनी कार्रवाई चाहती हैं लेकिन मायके पक्ष के लोग साथ नहीं देते तो उन्हें पीछे हटना पड़ता है। लेकिन, धीरे-धीरे स्थिति में बदलाव आ रहा है। सेंटर पर शिकायत लेकर आ रही महिलाओं की संख्या बढ़ी है। अगर मामला पति-पत्नी में गिले-शिकवे का हो तो यहां अधिकतम प्रयास दोनों में समझौता कराने का रहता है।

फैक्टरी मालिक के बुजुर्ग माता-पिता को बंधक बनाकर लूटपाट

इंदिरापुरम। मकनपुर में बुधवार रात गत्ता फैक्टरी मालिक के माता-पिता को घर में बंधक बनाकर चार बदमाश चाकू की नोक ढाई लाख रुपये और गहने लूटकर ले गए। विरोध करने पर मारपीट करते हुए दंपती को सोफे पर लिटाकर मुंह, हाथ व पैर टेप से बांध दिए। आधे घंटे तक बदमाशों ने बेड और अलमारी सहित अन्य समान खंगाला। बदमाशों के जाने के बाद किसी तरह महिला ने हाथ खोलकर पति को बंधनमुक्त किया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस घर व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में जुटी है। मकनपुर कुआं वाला मंदिर निवासी विवेक त्यागी की दिल्ली के झिलमिल में गत्ते की फैक्टरी है। बुधवार सुबह वह फैक्टरी गए थे। घर पर पिता सुशील त्यागी (56) और मां अर्चना त्यागी (52) थे। रात करीब 8:30 बजे पिता भूतल स्थित कमरे में खाना खा रहे थे। मुख्य दरवाजे की कुंडी खुली थी। तभी मास्क पहने चार बदमाश घर में घुस गए। चारों ने दंपती को चाकू की नोक पर लेकर बंधक बना लिया। फिर सोफे पर लिटाकर मुंह, हाथ, पैर को टेप से बांध दिया।

बेटी के लिए साथ आए तलाक चाह रहे पति-पत्नी

एनटीवी

गाजियाबाद। जो पति-पत्नी चार साल से न केवल अलग-अलग रह रहे थे बल्कि कोर्ट में तलाक का केस भी लड़ रहे थे, उन्होंने अचानक से साथ रहने का फैसला किया है। वह भी तब जबकि दोनों के गिले-शिकवे अपनी जगह ज्यों के त्यों बने हुए हैं। दोनों ने फिर से एक छत के नीचे रहने के लिए राजी होने की वजह बनी है उनकी चार साल की बेटी। युवक का कहना है कि उसने जब बेटी के भविष्य के बारे में सोचा तो फैसला बदलने पर मजबूर हो गया। उसे लगा है कि जब बेटी स्कूल में दूसरे बच्चों के माता-पिता को साथ देखेगी तो उस पर क्या गुजरेगी। पति-पत्नी मोदीनगर के हैं। दोनों की शादी छह साल पहले हुई थी। उनकी चार साल की बेटी है। शादी के बाद ही कलह होने लगी। पति की शिकायत थी कि पत्नी का झुकाव मायके की तरफ अधिक है, इसलिए ससुराल पर ध्यान कम देती है। दोनों में कई बार झगड़ा हुआ, परिवार के लोगों और रिश्तेदारों ने समझौता कराया लेकिन बात बनने के कुछ दिन बाद फिर से बिगड़ जाती। नौबत यहां तक आ गई कि पत्नी बेटी को साथ लेकर मायके में रहनी लगी। उसका दाखिला भी पास के स्कूल में करा दिया। वन स्टॉप सेंटर में पति की शिकायत की। पति ने तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी लगा दी। दोनों ने शादी में मिला एक-दूसरे का सामान भी वापस कर दिया। रिश्ता पूरी तरह से टूटने की कगार पर पहुंच गया। तलाक का केस भी फाइनल होने ही वाला था। सुनवाई लगभर पूरी हो चुकी थी। काउंसलर अंजना चौहान ने बताया कि काउंसिलिंग के दौरान पति को यह अहसास कराया गया कि जब आप दोनों अलग हो जाएंगे तब बेटी का क्या होगा। बेटी जब स्कूल में दूसरे बच्चों के माता-पिता को एक साथ देखेगी तो उस पर क्या गुजरेगी। जब-जब उसको अपने पिता की जरूरत होगी तब-तब वह सिर्फ उनको याद करके रह जाएगी। इसका ऐसा असर हुआ कि दो काउंसिलिंग के बाद पिता ने अपना फैसला बदल लिया। पति का दिल पिघलता देख पत्नी भी साथ आने के लिए राजी हो गई। पत्नी से शिकायत पर साथ ही रहूंगा वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर प्रीति मलिक ने बताया कि फॉलोअप के दौरान पति ने फोन पर बताया कि पत्नी के व्यवहार में बहुत बदलाव नहीं आया है। उससे उसकी शिकायत बनी हुई है लेकिन बेटी के लिए वह उसके साथ ही रहेगा

दंपती ने मासूम को अगवा करने वाली नानी को ढूंढ़कर भिजवाया जेल

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। मासूम की तलाश में भटक रही शिवांगी ने अपहरण की आरोपी अपनी ही मां को पति इस्लाम की मदद से ढूंढ़कर जेल भिजवा दिया है। आरोप है कि आरोपी नानी बबीता ने अपहरण के चार दिन बाद ही हापुड़ की महिला को एक लाख रुपये में बच्चा बेच दिया था। पुलिस ने दंपती की सूचना पर संभल से आरोपी बबीता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस अब बच्चे और उसे खरीदने वाले दंपती और बिचौलिया महिला की तलाश में जुटी है। शाहबेरी में रहने वाली शिवांगी ने बताया कि उसने इस्लाम से प्रेम विवाह किया था। उसके गर्भवती होने के दौरान देखभाल के लिए उसकी मां बबीता अप्रैल माह में शाहबेरी में आई थी। शिवांगी ने बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद भी बबीता बेटी के घर रुकी हुई थी। दस मई को इस्लाम अपने काम पर गया था और शिवांगी दवा लेने गई थी। इसी दौरान बबीता उनके एक माह के मासूम बच्चे अरमान को अगवा कर फरार हो गई। बबीता ने आखिरी कॉल अपने पति को की थी। इसके चलते पुलिस ने शिवांगी के पिता से भी पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस की जांच ठंडी हो गई लेकिन दंपती बेटे की तलाश में जुटे रहे। शिवांगी ने दूसरे धर्म के युवक से प्रेम विवाह किया था। इसके चलते दंपती अनहोनी की आशंका जताई थी। बुधवार को दंपती बबीता के संभल स्थित मुटैना गांव पहुंचे। यहां उन्हें बबीता कुछ दिन पहले ही आई थी। बबीता ने बच्चे को हापुड़ में जमुना नाम की महिला के जरिये दंपती को बेचने की बात कबूल की। एक लाख में सात बेटियों की मां को बेचने की बात वीडियो में कैद दंपती ने बताया कि आरोपी बबीता काफी पूछताछ के बाद उनके बच्चे को बेचने की बात कबूल की। उसने बताया कि हापुड़ में एक महिला रहती है। उसके सात बेटियां हैं। उसी महिला व उसके पति को अपहरण के चार दिन बाद ही एक लाख रुपये में बच्चा बेच दिया गया था। जल्द गिरफ्तारी होगी। ऑटो से अगवा मासूम का भी सुराग नहीं ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली लेजर वैली के समीप रहने वाले भागीरथ के चार महीने के बच्चे श्याम का भी अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। भागीरथ का बड़ा बेटा सुदीप (8) अपने चार माह के छोटे भाई श्याम को गोद में लेकर खड़ा था।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने नवंबर में हर घंटे काटे 349 वाहनों के चालान, जानें डिटेल्स

एनटीवी

अमरार्मा नवंबर के महीने में विशेष यातायात जागरूकता अभियान के दौरान, गौतम बौद्ध नगर पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2,51,398 ई-चालान जारी किए। यह प्रति घंटे औसतन 349 चालान है। नवंबर के महीने में विशेष यातायात जागरूकता अभियान के दौरान, गौतम बौद्ध नगर पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2,51,398 ई-चालान जारी किए। यह प्रति घंटे औसतन 349 चालान है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान जारी किए गए ई-चालान का कुल मूल्य 59 लाख रुपये से ज्यादा था।पुलिस उपायुक्त (यातायात) अनिल कुमार यादव ने विशेष अभियान के समापन पर कहा कि जागरूकता अभियान को 1 नवंबर को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने हरी झंडी दिखाई थी। जिसका मकसद नागरिकों को यातायात दिशानिर्देशों के बारे में शिक्षित करना और सड़क उपयोगकताओं द्वारा नियम अनुपालन लागू करना था।

यादव ने कहा, ₹नवंबर 2023 के महीने में, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए कुल 2,51,398 ई-चालान जारी किए गए। उल्लंघनकताओं पर 59.29 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इन जुमार्ने में से 2.70 लाख रुपये वसूल किए गए और सरकारी खजाने में जमा कर दिया गया।₹ उन्होंने कहा कि 2023 में गौतम बौद्ध नगर में अब तक कुल 16.97 लाख ई-चालान जारी किए गए हैं। जबकि 94.54 लाख रुपये जुमार्ना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा किया गया है। अधिकारी ने कहा कि नवंबर में विशेष अभियान के दौरान वायु प्रदूषण सहित विभिन्न उल्लंघनों के कारण 680 वाहन जब्त किए गए थे। यादव ने कहा कि यातायात पुलिस ने जिले में ब्लैक स्पॉट को कम करने पर भी काम किया। इसके लिए पुलिस ने क्षेत्रीय परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग और जिले में स्थानीय विकास प्राधिकरणों के साथ नजदीकी से काम किया। ऐसे कुल 15 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई और उनमें से चार में सुधार किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 11 ब्लैक स्पॉट बचे हैं, जिनके सुधार की प्रक्रिया जारी है। यादव ने कहा, ₹ट्रैफिक पुलिस, पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में काम कर रही है और सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। ताकि सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों पर भीड़भाड़ को खत्म किया जा सके।₹ अधिकारी ने अपील की, ₹हम आम जनता से भी अपील करते हैं कि जब भी वे सड़क पर हों तो यातायात नियमों का पालन करें ताकि हम ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं को कम कर सकें।

तीन साल से नहीं बदले गद्दे, टूटी खिड़कियों से आ रहीं सर्द हवाएं

● बसेरे में 32 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। गार्ड ने बताया कि गद्दे तीन साल पुराने हैं जो फट चुके हैं। चारपाई और तख्त की व्यवस्था नहीं है।

एनटीवी

गाजियाबाद। नासिरपुर फाटक के पास बने रैन बसेरे में पिछले तीन साल से गद्दे नहीं बदले गए। फटे गद्दे से झांक रहे फोम नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल रहे हैं। वहीं, टूटी खिड़कियों से सर्द हवाएं बसेरे में ठहरने वालों को ठिठुरा रही हैं। सर्दी बढ़ने के साथ रात में हवाएं लोगों को ठिठुरा रही हैं। जिले का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। बाहर से काम की तलाश में आए निराश्रित श्रमिकों के ठहरने के लिए नगर निगम की ओर से शहर में रैन बसेरे बनाए गए हैं। पिछले साल शहर में 18 रैन बसेरे बनाए गए थे। इनमें 12 स्थायी और छह अस्थायी बसेरे हैं। इस साल भी निराश्रित लोगों को ठंड से बचाने के लिए रैन बसेरों को व्यवस्थित करने की तैयारी की जा रही है। बृहस्पतिवार को अमर उजाला टीम ने नासिरपुर फाटक के पास आश्रय स्थल की पड़ताल की तो लापरवाही की तस्वीर दिखाई दी। बसेरे में 32 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। गार्ड ने बताया कि गद्दे तीन साल पुराने हैं जो फट चुके हैं। चारपाई और तख्त की व्यवस्था नहीं है। नशेड़ियों ने आपस में लड़ाई कर खिड़की का

कांच तोड़ दिया। सीसीटीवी लगे हैं लेकिन बंद हैं। टेलीविजन भी महीनों से बंद है। रेलवे ने रैन बसेरे के पीछे पेड़ कटवाया था, डाल छत पर गिरने से बसेरे के लिंटर में बड़ा होल हो गया है। बारिश में बसेरे के अंदर पानी भर जाता है। रसोई में फर्श कच्चा है। शौचालय गंदगी से बेहाल है। गार्ड ने बताया कि नशेड़ी यहां आकर नशा करते हैं, मना करने पर लड़ाई करते हैं। नए रेलवे स्टेशन के पास बने रैन बसेरे में भी कंबल और गद्दे पुराने हो चुके हैं। यहां भी झुग्गी वाले अपना कब्जा जमाए हुए हैं। शाम को लाइट भी ठीक से नहीं जलती है। गार्ड ने बताया कि आधार कार्ड देखकर प्रवेश दिया जाता है। कार्ड नहीं होने पर किसी की पहचान बताना जरूरी है। पुलिस जिसे ले आती है उसे शरण दी जाती है। खुले में रात बिता रहे निराश्रित निराश्रितों के लिए बनाए गए रैन बसेरे शोपीस साबित हो रहे हैं। नेहरू नगर फ्लाईओवर, आरडीसी फ्लाईओवर, रेलवे स्टेशन रोड, बस स्टेशन के पास फुटपाथ और डिवाइडर पर काफी संख्या में निराश्रित खुले आसमान के नीचे रात बिता रहे हैं। इनकी सुध न तो नगर निगम को है और न पुलिस प्रशासन को। उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज सिंह का कहना है कि रैन बसेरों को दुरुस्त करने की तैयारियां की जा रही हैं। पिछले साल 18 रैन बसेरे थे, इस बार कुछ अस्थायी रैन बसेरे ओर बढ़ाने पर विचार चल रहा है। जो कमियां हैं उन्हें एक हफ्ते में ठीक करा दिया जाएगा।

नोएडा में डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की पहली वारदात, इंजीनियर युवती से ऐंठ लिए 11 लाख

उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड़ रुपये निकाले गए हैं। कॉलर ने आगे की जांच का हवाला देते हुए।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर साइबर जालसाजों ने आईटी इंजीनियर युवती को आठ घंटे तक डराकर-धमकाकर घर में अकेले रहने पर मजबूर कर दिया। शहर में डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की पहली वारदात हुई है। साइबर जालसाजों ने आईटी इंजीनियर युवती को आठ घंटे तक डराकर-धमकाकर घर में अकेले रहने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान पीड़िता को परिजनों या दोस्तों से बात करने की इजाजत नहीं दी गई। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 11.11 लाख रुपये की ठगी कर ली। युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर साइबर क्राइम थाने ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस पड़ताल में डिजिटल अरेस्ट कर वारदात का खुलासा हुआ।

सेक्टर-34 स्थित धवलगिरी अपार्टमेंट निवासी आईटी इंजीनियर सीजा टीए के पास 13 नवंबर को अंजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑफ इंडिया (ट्राइ) का कर्मचारी बताया। कॉल करने वाले ने कहा कि युवती के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सिम कार्ड खरीदा गया है जिसका प्रयोग मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है। उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड़ रुपये निकाले गए हैं। कॉलर ने आगे की जांच का हवाला देते हुए कॉल ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद स्काइप कॉल कर कथित रूप से एक तरफ मुंबई पुलिस, दूसरी तरफ क्राइम ब्रांच और कस्टम के अधिकारी बन युवती को डराया धमकाया गया। करीब आठ घंटे तक स्काइप कॉल से युवती की निगरानी कर बंधक बनाए रखा गया। इस दौरान युवती से कई तरह के सवाल पूछे गए। किसी से बात करने की अनुमति नहीं दी गई। जालसाजों ने आठ घंटे बाद खाते में 11.11 लाख रुपये ट्रांसफर कराने के बाद कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में पिछले सप्ताह मुकदमा दर्ज किया गया था। साइबर क्राइम थाने की प्रभारी निरीक्षक रीता यादव के मुताबिक जालसाजों ने पुलिस की वर्दी पहन कर स्काइप कॉल कर युवती को डराया था। क्या है डिजिटल अरेस्टडिजिटल अरेस्ट में मोबाइल या लैपटॉप से स्काइप पर वीडियो कॉलिंग कर या अन्य एप के जरिये किसी पर नजर रखी जाती है। उसे डरा धमका कर वीडियो कॉलिंग से दूर नहीं होने दिया जाता है। यानी वीडियो कॉल के जरिये आरोपी को उसके घर में या जहां वो है वहीं एक तरह से कैद कर दिया जाता है। इस दौरान पीड़ित न तो वह किसी से बात कर सकता है और न कहीं जा सकता है। एप डाउनलोड कराकर भी रखी जाती है निगरानी डिजिटल अरेस्ट का इस्तेमाल साइबर जालसाज करते हैं। जालसाज पुलिस क्राइम ब्रांच, सीबीआई, ईडी के अधिकारी बनकर एप डाउनलोड कराकर वर्चुलअ जांच का झांसा देते हैं। पीड़ित से पुलिस के अंदाज में पूछताछ की जाती है। जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग, मानव तस्करी, हवाला कारोबार से लेकर ड्रग्स तस्करी में शामिल होने का आरोप लगाकर लाखों की वसूली की जाती है। आरोपी न तो किसी से मदद मांग सकता है और न किसी को अपनी कहानी बता पाता है। उसे जो निर्देश मिलते हैं, उसी के हिसाब से काम करता है। 17 दिन तक डिजिटल में रही थी फरीदाबाद की छात्रा नोएडा में सामने आए पहले मामले से पहले फरीदाबाद में भी ऐसा मामला सामने आया था। इसमें जालसाजों ने छात्रा को एप के माध्यम से 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा था। छात्रा को मानव तस्करी के मामले में फंसाने का डर दिखाया गया था और स्काइप एप से लॉगआउट नहीं होने दिया गया था।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए कर दिया नाबालिग का कत्ल, चाकू से किए ताबड़तोड़ वार

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर इलाके में दीपावली वाले दिन मारे गए थप्पड़ का बदला लेने के लिए दो युवकों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त पीयूष (17) के रूप में हुई है। दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर इलाके में दीपावली वाले दिन मारे गए थप्पड़ का बदला लेने के लिए दो युवकों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त पीयूष (17) के रूप में हुई है। दरअसल पीयूष ने दीपावली वाले दिन भूपेंद्र उर्फ बुची व वरुण नामक युवक को थप्पड़ मारकर दिया था। उसका बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी भूपेंद्र उर्फ बुची, वरुण, तुषार और विनय के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल दो चाकू व अन्य सामान बरामद किया है। पीयूष अपनी मां व बहनों के साथ देवली इलाके में रहता था। इसकी मां छोटा-

मोटा काम कर परिवार का गुजारा कर रही है। पीयूष ने 11वीं कक्षा पास करने के बाद दो साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। पहले उसका परिवार मदनगीर इलाके में ही रहता था। उसके सारे दोस्त यही पर हैं। वह अक्सर दोस्तों से मिलने आता रहता था। बुधवार को भी वह एरिया में आया हुआ था। इस बीच रात करीब पौने आठ बजे आरोपियों ने लाल बिल्डिंग स्कूल दक्षिणपुरी के पास उसे घेर लिया और मारपीट कर चाकू से ताबड़तोड़ हमले किए। जान बचाने के लिए पीड़ित एक चिकन के ढाबे में घुस गया। आरोपियों ने अंदर घुसकर हमले करना जारी रखा। इसके बाद फरार हो गए। 8.00 बजे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इससे पूर्व ही पीसीआर ने घायल को एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचाया। बुरी तरह पिटाई करने के अलावा पीयूष के शरीर पर चाकू के छह घाव थे। इलाज के दौरान पीयूष ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को दबोच लिया। इनसे पूछताछ की जा रही है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। घटना के बाद से पीयूष के परिजनों का रो-रोकर बुरा है।

संक्षिप्त खबरें

देवर ने भाभी को छलाः पति की 2017 में हुई मौत, बेटी और बेटे की अकेले देखभाल कर रही मां, ससुराल से मिला धोखा

दिल्ली-एनसीआर

महिला का आरोप है कि देवर ने बैंककर्मियों के साथ मिलकर खाते को संचालित करने के लिए खुद का भी अधिकार ले लिया। मुआवजे के खाते में 65.50 लाख रुपये आए। विस्तार नोएडा में एक महिला ने अपने देवर पर मुआवजे के 55 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि देवर ने अपनी बेटी के साथ संयुक्त खाता खोलकर मुआवजे की रकम को हड़प लिया। इस मामले में कोतवाली एक्सप्रेस-वे पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नंगली वाजिदपुर निवासी पूनम देवी ने पुलिस से शिकायत की है कि उनके पति का देहांत साल 2017 में हो गया था। उनकी एक बेटी और बेटा है। देवर तेजवीर ने महिला से कहा कि उनके पति के नाम एक जमीन थी। इस जमीन का मुआवजा मिलना है। इस मुआवजे को दिलाने का देवर ने जिम्मेदारी ली। इसके लिए गांव के एक बैंक ब्रांच में संयुक्त खाता खुलवाया। महिला का आरोप है कि देवर ने बैंककर्मियों के साथ मिलकर खाते को संचालित करने के लिए खुद का भी अधिकार ले लिया। मुआवजे के खाते में 65.50 लाख रुपये आए। इसकी जानकारी उनको भी हुई, लेकिन बैंक जाकर पता किया तो देवर ने धोखाधड़ी कर 55 लाख रुपये बैंक खाते से निकाल लिए।

एनएच-9 पर आग का गोला बना कैंटर, इंजन गर्म होने के कारण केबिन में आग लगने की जताई जा रही संभावना

दिल्ली-एनसीआर

हाईवे पर मसूरी से पहले नंदराम होटल के पास चालक की केबिन में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद चालक कैंटर को मौके पर छोड़ फरार हो गया। हाईवे पर जाम लग गया। हापुड़ जिले के पिलखुवा में एनएच-9 पर शुक्रवार सुबह नंदराम होटल के पास कैंटर के केबिन में आग लग गई। जिसके चलते हाईवे पर वाहनों का जाम लग गया। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच आग बुझा यातायात व्यवस्था सुचारू कराई। आग लगने के समय कैंटर हापुड़ से गाजियाबाद की तरफ जा रहा था। हाईवे पर मसूरी से पहले नंदराम होटल के पास चालक की केबिन में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद चालक कैंटर को मौके पर छोड़ फरार हो गया। हाईवे पर जाम लग गया। पिलखुवा फायर स्टेशन प्रभारी संजीव बालियान का कहना है कि घटना के समय टैंकर खाली था, अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इंजन गर्म होने के कारण केबिन में आग लगने की संभावना जताई जा रही है। चालक अभी तक फरार है। आग बुझाकर यातायात व्यवस्था सुचारू करा दी गई है।

उत्तरकाशी की टनल खोदने वाले रैट माइनर्स से मिलेंगे केजरीवाल, खोदाई में दिल्ली के श्रमिक भी थे शामिल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उत्तरकाशी की टनल खोदने वाले रैट माइनर्स से मिलेंगे। केजरीवाल आज शाम चार बजे मुलाकात करेंगे। उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल खोदकर 41 श्रमिकों को बचाने वालों में दिल्ली जल बोर्ड के लिए पाइपलाइन/सीवर डालने वाले श्रमिक भी हैं जो दिल्ली में रहते हैं।

जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर युवती से फोन लूट ले गए थे बदमाश, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन परिसर में 25 नवंबर की रात को 22 साल की युवती से मोबाइल फोन लूटने की गुत्थी को उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने सुलझा लिया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन परिसर में 25 नवंबर की रात को 22 साल की युवती से मोबाइल फोन लूटने की गुत्थी को उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तहसीन उर्फ पहलवान और इसके साथी शहनूर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी तहसीन के खिलाफ पहले से 17 मामले दर्ज हैं। फिलहाल जाफराबाद मामले में लूटा गया फोन बरामद नहीं हो सका है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि 25 नवंबर को 22 साल की युवती जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर मौजूद थी। इस बीच दो लड़कों ने उससे मोबाइल लूट लिया। वारदात के बाद शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। लोकल पुलिस ने भी पड़ताल की। इस बीच एक सूचना के बाद जिले के स्पेशल स्टाफ ने दोनों आरोपियों को सीलमपुर से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने युवती से मोबाइल फोन लूटने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि पीड़िता का मोबाइल लूटने के बाद इन लोगों ने उसे कृष्णा नगर के युवक को बेच दिया है

ऐसी-वैसी नहीं है ये धोखेबाजी: डॉक्टर बताकर वकील युवती से शादी, निकला डिलीवरी ब्वॉय... फिर भी चुप रही लड़की

इसे देखकर ही वह धोखा खा गईं। परिजनों ने शादी पर 15 लाख रुपये खर्च कर दिए। शादी के बाद पता चला कि वह बहुत कम पढ़ा-लिखा है

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर धोखा देने के लिए उसने मेट्रोमोनियल साइट पर अपना फोटो डॉक्टर की यूनिफार्म में ही डाल रखा था। इसमें उसके गले में स्टेथोस्कोप भी था। डिलीवरी ब्वॉय का काम करने वाले युवक ने पेशे से वकील युवती की आंखों में धूल झोंककर उससे शादी कर ली। युवती का आरोप है कि युवक ने खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताया था। धोखा देने के लिए उसने मेट्रोमोनियल साइट पर अपना फोटो डॉक्टर की यूनिफार्म में ही डाल रखा था। इसमें उसके गले में स्टेथोस्कोप भी था। इसे देखकर ही वह धोखा खा गईं। परिजनों ने शादी पर 15 लाख रुपये खर्च कर दिए। शादी के बाद पता चला कि वह बहुत कम पढ़ा-लिखा है और जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। युवती ने वन स्टॉप सेंटर में शिकायत करके बताया कि उसकी हकीकत सामने आने के बाद भी दिल पर पत्थर रखकर धोखे को भी अपनी किस्मत का लिखा मानकर इसे बर्दाश्त करने का प्रयास किया। लेकिन, जब उसकी पोल खुल गई तो उसने अपना असली रंग भी दिखा दिया। युवती का आरोप है कि वह जरा-जरा सी बात पर उसे पीटने लगा। दोनों के बीच कई बार झगड़ा हुआ। पानी जब सिर से ऊपर जाने लगा तो उसे वन स्टॉप सेंटर में आकर शिकायत करनी पड़ी। काउंसलर अंजना चौहान ने बताया कि युवती की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। दो साल तक लगातार उसकी पिटाई और झगड़े झेलती रही। चार काउंसिलिंग के बाद भी जब समझौते की गुंजाइश नहीं दिखी तब विजयनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। हिम्मत दिखा रही हैं महिलाएं वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर प्रीति मलिक ने बताया कि यहां ज्यादातर मामले घरेलू हिंसा के आ रहे हैं। इनमें आधे से ज्यादा केस ऐसे हैं जिनमें महिलाएं लंबे समय तक हिंसा को चुपचाप सहन करती रहती हैं। कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें महिलाएं कानूनी कार्रवाई चाहती हैं लेकिन मायके पक्ष के लोग साथ नहीं देते तो उन्हें पीछे हटना पड़ता है। लेकिन, धीरे-धीरे स्थिति में बदलाव आ रहा है। सेंटर पर शिकायत लेकर आ रही महिलाओं की संख्या बढ़ी है। अगर मामला पति-पत्नी में गिले-शिकवे का हो तो यहां अधिकतम प्रयास दोनों में समझौता कराने का रहता है।

महिला ने बेटे को अगवा करने वाली अपनी मां को भिजवाया जेल

उसके गर्भवती होने के दौरान देखभाल के लिए उसकी मां बबीता अप्रैल माह में शाहबेरी में आई थी। शिवांगी ने बेटे को जन्म दिया था।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर आरोप है कि आरोपी नानी बबीता ने अपहरण के चार दिन बाद ही हापुड़ की महिला को एक लाख रुपये में बच्चा बेच दिया था। पुलिस ने दंपती की सूचना पर संभल से आरोपी बबीता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मासूम की तलाश में भटक रही शिवांगी ने अपहरण की आरोपी अपनी ही मां को पति इस्लाम की मदद से ढूंढ़कर जेल भिजवा दिया है। आरोप है कि आरोपी नानी बबीता ने अपहरण के चार दिन बाद ही हापुड़ की महिला को एक लाख रुपये में बच्चा बेच दिया था। पुलिस ने दंपती की सूचना पर संभल से आरोपी बबीता को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस अब बच्चे और उसे खरीदने वाले दंपती और बिचौलिया महिला की तलाश में जुटी है। शाहबेरी में रहने वाली शिवांगी ने बताया कि उसने इस्लाम से प्रेम विवाह किया था। उसके गर्भवती होने के दौरान देखभाल के लिए उसकी मां बबीता अप्रैल माह में शाहबेरी में आई थी। शिवांगी ने बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद भी बबीता बेटी के घर रुकी हुई थी। दस मई को चलते दंपती अनहोनी की आशंका जताई थी। बुधवार को दंपती बबीता के संभल स्थित मुटैना गांव पहुंचे। यहां उन्हें बबीता कुछ दिन पहले ही आई थी। बबीता ने बच्चे को हापुड़ में जमुना नाम की महिला के जरिये दंपती को बेचने की बात कबूल की। एक लाख में सात बेटियों की मां को बेचने की बात वीडियो में कैद दंपती ने बताया कि आरोपी बबीता काफी पूछताछ के बाद उनके बच्चे को बेचने की बात कबूल की। उसने बताया कि हापुड़ में एक महिला रहती है। उसके सात बेटियां हैं। उसी महिला व उसके पति को अपहरण के चार दिन बाद ही एक लाख रुपये में बच्चा बेच दिया गया था। बच्चा बेचने की बात कबूल करते हुए दंपती के पास वीडियो है। बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस बताए गए पते पर पहुंची तो वहां आरोपी महिला नहीं मिली। हालांकि उसका सुराग पुलिस को मिला है। जल्द गिरफ्तारी होगी।

डीटीसी के दिव्यांग कर्मचारी का गला दबाकर लूटपाट, पीड़ित ने एक बदमाश को दबोचा, दूसरा फोन लेकर हुआ फरार

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर द्वारका साउथ इलाके में डीटीसी के एक दिव्यांग कर्मचारी का गला दबाकर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। चोट लगने के बावजूद पीड़ित ने एक बदमाश को दबोच लिया। द्वारका साउथ इलाके में डीटीसी के एक दिव्यांग कर्मचारी का गला दबाकर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। चोट लगने के बावजूद पीड़ित ने एक बदमाश को दबोच लिया। वहां मौजूद लोगों ने पकड़े गए बदमाश की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए बदमाश के निशानदेही पर पुलिस फोन लूटकर भागे बदमाश की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पीड़ित की पहचान निर्दोष कुमार के रूप में हुई है। मूलतः हमीरपुर यूपी के रहने वाले निर्दोष सपरिवार मधु विहार में रहते हैं। वह दिव्यांग हैं और द्वारका सेक्टर दो स्थित डीटीसी डिपो में बतौर सहायक फोरमैन के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि 26 नवंबर तड़के काम खत्म करने के बाद डिपो से घर जा रहे थे। कुछ दूर जाने के बाद दो बदमाशों ने पीछे से उनका गला दबा दिया और उन्हें नीचे गिराकर फोन लूटने लगे। इस बीच हिम्मत कर उन्होंने फोन निकालने वाले बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश ने फोन अपने साथी को दे दिया। साथी फोन लेकर फरार हो गया। इसी बीच वहां से गुजर रहे कुछ राहगीर आ गए और पकड़े गए बदमाश की पिटाई कर पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महावीर एंक्लेव निवासी बदमाश सलीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर फरार बदमाश की तलाश कर रही है।

इस कंपनी के बनेंगे हर महीने दो लाख स्मार्टफोन, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्लांट का किया शुभारंभ

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के जमाने में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं की हालत खराब थी। भ्रष्टाचार की वजह से विदेशों में साख खराब थी।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर स्मार्टफोन का उत्पादन बढ़ाने के लिए डिक्सन टेक्नोलॉजी ने पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स को अधिग्रहित कर प्लांट बनाया है। यहां हर वर्ष करीब 2.5 करोड़ स्मार्टफोन के अलावा यहां इंटरनेट राउटर का भी उत्पादन किया जाएगा। नोएडा के सेक्टर-68 की कंपनी में हर माह दो लाख स्मार्टफोन का निर्माण होगा। गुरुवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिक्सन टेक्नोलॉजी के आधुनिक प्लांट का शुभारंभ किया। स्मार्टफोन का उत्पादन बढ़ाने के लिए डिक्सन टेक्नोलॉजी ने पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स को अधिग्रहित कर प्लांट बनाया है। यहां हर वर्ष करीब 2.5 करोड़ स्मार्टफोन के अलावा यहां इंटरनेट राउटर का भी उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल यहां चीन की कंपनी शाओमी के लिए मोबाइल बनाए जाएंगे। इस प्लांट में कंपनी ने करीब 256 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील वाचानी ने कहा कि नया प्लांट शुरू होने से देश में स्मार्टफोन उत्पादन की संख्या बढ़ेगी। वहीं प्रबंध निदेशक अतुल लाल ने बताया कि स्थानीय स्तर पर स्मार्टफोन उत्पादन के लिए नया प्लांट मजबूत और विश्वस्तरीय प्रोद्योगिकी के परिवेश को तैयार करेगा। पूरी तरह सफल है मेक इन इंडिया कार्यक्रम मीडियाकर्मियों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम पूरी तरह सफल बताया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के जमाने में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं की हालत खराब थी। भ्रष्टाचार की वजह से विदेशों में साख खराब थी। जिससे निवेश नहीं आ रहा था। जबकि पिछले 10 साल में भाजपा सरकार में हालात बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल या ऑटोमोबाइल फैक्ट्री में प्रोडक्शन लाइन पर छोटे-छोटे पुर्जों को जोड़कर जब उत्पाद बनता है। वह असेंबलिंग नहीं मैन्युफैक्चरिंग है। आज देश में भारत में बने 99 फीसदी फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना से मोबाइल उत्पादन की दिशा बदल गई है। आज भारत में बने फोन की आपूर्ति यूरोप और अमेरिका तक की जा रही है। इंटरनेट कंपनियों की जिम्मेदारी हो रही तय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) के डीपफेक जैसे दुरुपयोग को रोकने के लिए गंभीरता से काम हो रहा है। पिछले दिनों इंटरनेट के जरिये ऐसी कंपनियों के लिए कंटेंट के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनियों की बैठक बुलाई गई थी। ऐसे फेक कंटेंट को हटाया जा रहा है।

आठ घंटे अकेले रहने पर किया मजबूर, कई तरह के पूछे सवाल, जानें क्या है डिटिटल अरेस्ट

इसके अलावा, 540 मेगावॉट हाइड्रो पावर, 500 मेगावॉट विंड एनर्जी और करीब 40 मेगावॉट कचरे से बनने वाली बिजली भी बीएसईएस को मिलेगी।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर पीड़िता को परिजनों या दोस्तों से बात करने की इजाजत नहीं दी गई। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 11.11 लाख रुपये की ठगी कर ली नोएडा शहर में डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की पहली वारदात सामने आई है। साइबर जालसाजों ने आईटी इंजीनियर युवती को आठ घंटे तक डराकर-धमकाकर घर में अकेले रहने पर मजबूर कर दिया। करीब आठ घंटे तक स्काइप कॉल से युवती की निगरानी कर बंधक बनाए रखा गया। इस दौरान युवती से कई तरह के सवाल पूछे गए। किसी से बात करने की अनुमति नहीं दी गई। पीड़िता को परिजनों या दोस्तों से बात करने की इजाजत नहीं दी गई। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 11.11 लाख रुपये की ठगी कर ली। युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर साइबर क्राइम थाने ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस पड़ताल में डिजिटल अरेस्ट कर वारदात का खुलासा हुआ। आइए जानते हैं क्या होता है यह डिजिटल अरेस्ट। सेक्टर-34 स्थित धवलगिरी अपार्टमेंट निवासी आईटी इंजीनियर सीजा टीए के पास 13 नवंबर को अंजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑफ इंडिया (ट्राइ) का कर्मचारी बताया। कॉल करने वाले ने कहा कि युवती के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सिम कार्ड खरीदा गया है जिसका प्रयोग मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है। उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड़ रुपये निकाले गए हैं। कॉलर ने आगे की जांच का हवाला देते हुए कॉल ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद स्काइप कॉल कर कथित रूप से एक तरफ मुंबई पुलिस, दूसरी तरफ क्राइम ब्रांच और कस्टम के अधिकारी बन युवती को डराया धमकाया गया। करीब आठ घंटे तक स्काइप कॉल से युवती की निगरानी कर बंधक बनाए रखा गया। इस दौरान युवती से कई तरह के सवाल पूछे गए। किसी से बात करने की अनुमति नहीं दी गई। जालसाजों ने आठ घंटे बाद खाते में 11.11 लाख रुपये ट्रांसफर कराने के बाद कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में पिछले सप्ताह मुकदमा दर्ज किया गया था। साइबर क्राइम थाने की प्रभारी निरीक्षक रीता यादव के मुताबिक जालसाजों ने पुलिस की वर्दी पहन कर स्काइप कॉल कर युवती को डराया था। क्या है डिजिटल अरेस्ट डिजिटल अरेस्ट में मोबाइल या लैपटॉप से स्काइप पर वीडियो कॉलिंग कर या अन्य एप के जरिये किसी पर नजर रखी जाती है। उसे डरा धमका कर वीडियो कॉलिंग से दूर नहीं होने दिया जाता है। यानी वीडियो कॉल के जरिये आरोपी को उसके घर में या जहां वो है वहीं एक तरह से कैद कर दिया जाता है। इस दौरान पीड़ित न तो वह किसी से बात कर सकता है और न कहीं जा सकता है। एप डाउनलोड कराकर भी रखी जाती है निगरानी डिजिटल अरेस्ट का इस्तेमाल साइबर जालसाज करते हैं। जालसाज पुलिस क्राइम ब्रांच, सीबीआई, ईडी के अधिकारी बनकर एप डाउनलोड कराकर वर्चुलअ जांच का झांसा देते हैं। पीड़ित से पुलिस के अंदाज में पूछताछ की जाती है। जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग, मानव तस्करी, हवाला कारोबार से लेकर ड्रग्स तस्करी में शामिल होने का आरोप लगाकर लाखों की वसूली की जाती है। आरोपी न तो किसी से मदद मांग सकता है और न किसी को अपनी कहानी बता पाता है।

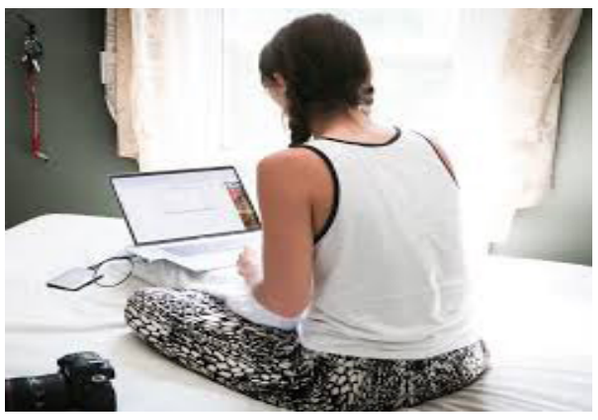

सर्दियों में कैसे बढ़ाएं कार की माइलेज, आजमाएं ये पांच आसान टिप्स

एनटीवी

उत्तर भारत में सर्दी आ गई है और हर गुजरते दिन के साथ तापमान कम होता जा रहा है। ठंड के मौसम के लिए तैयार होने के लिए, अपनी पोशाक और आदतों में बदलाव करने के अलावा, हम अपनी कारों के रखरखाव के लिए कुछ आसान स्टेप्स का भी पालन कर सकते हैं। यहां हम आपको 5 आसान टिप्स बता रहे हैं जो इस ठंड के समय में अपनी कार को मेंटेन करने में मदद कर सकती हैं और ज्यादा माइलेज भी सुनिश्चित कर सकती हैं।

टायर प्रेशर सही रखें

माइलेज का एक महत्वपूर्ण पहलू जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। और वह है टायर का प्रेशर। जैसे-जैसे तापमान गिरता है, टायर का प्रेशर कम हो जाता है, जिससे फ्यूल इकोनॉमी पर असर पड़ता है। निमार्ता की सिफारिशों के अनुसार नियमित रूप से अपने टायर प्रेशर की जांच करें और उसे बनाए रखें। पर्याप्त दबाव न सिर्फ बेहतर माइलेज सुनिश्चित करता है बल्कि ठंडी सड़कों और यहां तक कि बर्फीली सड़कों पर भी पकड़ बढ़ाता है।

अपनी ड्राइविंग आदतों को बेहतर बनाएं

सर्दियों में, आक्रामक ड्राइविंग विशेष रूप से माइलेज के लिए हानिकारक हो सकती है। गैर-जरूरी सुस्ती से बचें, और धीरे-धीरे एक्सीलरेशन पकड़े और धीरे-धीरे ही स्पीड करने के नजरिए को अपनाएं। अचानक रुकने और तेज रफ्तार से चलने से न सिर्फ ज्यादा तेल की खपत होती है। बल्कि आपके वाहन पर अतिरिक्त दबाव भी पड़ता है। एक स्मूद ड्राइविंग स्टाइल बेहतर माइलेज में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। हालांकि सड़क पर उतरने से पहले अपनी कार को गर्म होने के लिए यूं ही छोड़ देना आकर्षक हो सकता है, लेकिन इससे कोई खास असर नहीं पड़ता। गाड़ी चलाते समय मॉडर्न इंजन ज्यादा कुशलता से गर्म होते हैं। आइडिल टाइम को सीमित करें और पहले कुछ मिनटों तक धीरे से गाड़ी चलाएं, जब तक कि इंजन अपने ऑप्टिम तापमान तक न पहुंच जाए। यह नजरिया न सिर्फ ईंधन बचाता है बल्कि आपके इंजन की टूट-फूट को भी कम करता है।

सही तेल चुनें

सर्दियों के मौसम के लिए उपयुक्त इंजन ऑयल को चुनने से माइलेज पर खासा असर पड़ सकता है। गाढ़ा तेल रेजिस्टेंस (प्रतिरोध) बढ़ा सकता है और ईंधन की खपत बढ़ा सकता है। अपने वाहन के मैनुअल को देखें और विंटर-ग्रेड ऑयल पर स्विच करें। जो ठंडे तापमान में ज्यादा आसानी से बहता है। यह सिंपल एडजस्टमेंट इंजन के परफॉर्मेंस को बढ़ा सकता है और बेहतर माइलेज में योगदान दे सकता है।

अतिरिक्त वजन कम करें

आपके वाहन में अनावश्यक भार ले जाने से भी ईंधन की खपत बढ़ सकती है। अपनी कार को व्यवस्थित करने के लिए कुछ समय निकालें। और उन चीजों को हटा दें जिनकी आपको जरूरत नहीं है, खासतौर पर भारी चीजों को।

अतिरिक्त वजन का मतलब आपके इंजन के लिए ज्यादा काम है। जिसकी वजह से माइलेज में कमी आती है। हल्का भार बेहतर माइलेज में तब्दील होता है। खासकर सर्दियों के दौरान जब एफिशिएंसी का हर पहलू मायने रखता है।

इन प्रैक्टिकल उपायों को लागू करने से सर्दियों के महीनों के दौरान आपकी कार की फ्यूल एफिशिएंसी में वास्तविक अंतर आ सकता है। टायर के मेंटेनेंस, ड्राइविंग की आदतों, इंजन वार्म-अप का तरीका, तेल चुनना और अतिरिक्त वजन को कम करने पर ध्यान केंद्रित करके, आप सर्दियों की चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

और अपनी तेल में होने वाले खर्च को कंट्रोल में रख सकते हैं। ठंड में ड्राइविंग करना एक व्यावहारिक नजरिए की मांग करती है। और ये टिप्स आपको ठंड के मौसम में ईंधन की हर बूंद का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने में मदद कर सकता है।

महिंद्रा ने लॉन्च की पहली इलेक्ट्रिक SUV, जानें बेस्ट सेलिंग Tata Nexon EV के मुकाबले कैसी है

एनटीवी

(महिंद्रा एंड महिंद्रा) ने भारतीय बाजार में आखिरकार सोमवार को अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी XUV400 (एक्सयूवी400) को लॉन्च कर दिया। इसके साथ ही इस इलेक्ट्रिक कार की कीमतों का भी एलान कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि यह इलेक्ट्रिक कार कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी व300 (एक्सयूवी300) पर आधारित है।

Mahindra XUV400 इलेक्ट्रिक एसयूवी का भारतीय बाजार में मुकाबला Tata NexonEV जैसी कारों से होगा। जो इस समय भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। आइए जानते हैं दोनों एसयूवी में क्या फीचर्स और ड्राइविंग रेंज मिलते हैं।

Mahindra XUV400 इलेक्ट्रिक एसयूवी दो अलग-अलग वैरिएंट्स - एउ (ईसी) और एछ (ईएल) में उपलब्ध होगी। महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी की कीमत 15.99 लाख रुपये और 18.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच रखी गई है। वाहन निमार्ता ने एलान किया है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी की इंट्रोडक्ट्री कीमत है जो पहली 5,000 बुकिंग के लिए मान्य है। यानी साफ है कि कंपनी इसकी कीमतों में इजाफा करने का इरादा रखती है। Mahindra ने यह भी दावा किया कि लॉन्च के एक साल के भीतर उसका लक्ष्य व१400 की 20,000 यूनिट डिलीवर करना है।

इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी पांच अलग-अलग रंग विकल्पों में उपलब्ध है, जो हैं - आर्कटिक ब्लू, एवरेस्ट व्हाइट, गैलेक्सी ग्रे, नेपोली ब्लैक और इम्पिरियो ब्लू, सैटिन कॉपर के दोहरे टोन विकल्प के साथ। जैसे रंग शामिल हैं। ड्यूल टोन बॉडी कलर पूरे मॉडल लाइनअप में स्टैंडर्ड तौर पर मिलता है। में फ्लोरपैन के नीचे 40.5'का बैटरी पैक है जो स्टैंडर्ड मॉडल से 33 प्रतिशत ज्यादा ऊंचा है। लिथियम-आयन बैटरी फ्रंट एक्सल पर लगे इलेक्ट्रिक मोटर को पावर देती है। यह सेटअप 143bhp और 250ठे के आउटपुट का दावा करता है। इस तरह यह NexonEV के स्टैंडर्ड रेंज मॉडल की तुलना में 14bhp ज्यादा पावरफुल है और 5ठे ज्यादा टॉर्क पैदा करता है। इसमें पेडल के पुश पर टॉर्क उपलब्ध होता है। Tata Nexon EV Max इलेक्ट्रिक एसयूवी सिर्फ 9 सेकेंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है।

बैटरी पैक और चार्जिंग

व१400 इलेक्ट्रिक एसयूवी की बैटरी क्षमता 39.4 है और बैटरी पैक IP67 वाटर और डस्ट-प्रूफ है। बैटरी के लिए एक चिलर और एक हीटर भी है और बैटरी का निर्माण भारत में ही होता है।

वहीं, टाटा इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ चार्जिंग के दो विकल्प - स्टैंडर्ड 3.3 चार्जर और 7.2kh एसी फास्ट चार्जर देती है। फास्ट चार्जर को घर या दफ्तर में लगा कर कार को आसानी से चार्ज किया जा सकता है। के बैटरी पैक को किसी भी 50 'W DC फास्ट चार्जर से सिर्फ 56 मिनट में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। जबकि 3.3'हचार्जर के जरिए 15-16 घंटे में और 7.2 अउफास्ट चार्जर के जरिए 5-6 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। ड्राइविंग रेंज456 किमी है। महिंद्रा भी वन पेडल ड्राइविंग की पेशकश कर रहा है ताकि जब ड्राइवर एक्सीलरेटर को बंद कर दे, तो वाहन ब्रेक लगाना शुरू कर दे।

Mahindra XUV400 इलेक्ट्रिक एसयूवी Hyundai KONA EV और MG ZS EV जैसे प्रतिद्वंद्वियों को भी टक्कर देगी। नेक्सन ईवी मैक्स के साथ ही टाटा मोटर्स ने अपनी हाई वोल्टेज स्टेट-ऑफ-द-आर्ट जिप्ट्रॉन टेक्नोलॉजी की शुरूआत भी की है। Tata Nexon EV Max तीन एक्सटीरियर पेंट ऑप्शन के साथ आती है। जिसमें इंटेन्सी-टील (नेक्सॉन ईवी मैक्स के लिए एक्सक्लूसिव), डेटोना ग्रे और प्रिस्टिन व्हाइट

Hyundai i20 2023 फेसलिफ्ट भारत में हुई लॉन्च, जानें क्या है इसकी खासियत

एनटीवी

केबिन लेआउट में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन यह ग्रे और ब्लैक थीम के साथ आता है। फीचर्स में बोस स्पीकर सिस्टम, एम्बिएंट लाइट्स, एम्बिएंट साउंड्स, एक सनरूफ और लेदरेट सीट्स, डोर आर्मरिस्ट और फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग जैसे अधिक प्रीमियम अतिरिक्त शामिल हैं। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) ने नई 2023 20 हैचबैक लॉन्च की है। यह लोकप्रिय हैचबैक का नया रूप है जिसे कुछ महीने पहले यूरोपीय बाजार के लिए पेश किया गया था। कीमतें 6.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं और 11.01 लाख रुपये तक जाती हैं। 2023 हुंडई 20 एक नए फ्रंट फेसिया, एक नई ग्रिल और बदले हुए हेडलैंप के साथ, नए उल्टे एल-आकार के एलईडी डीआरएल के साथ आता है। आगे और पीछे के बंपर पर भी दोबारा काम किया गया है, जबकि कार में नए 16 इंच के अलॉय व्हील लगाए गए हैं। बोनट पर अब हुंडई वर्ना की तरह ही ग्रिल की जगह नया हुंडई लोगो है। ग्राहक नए अमेजॉन ग्रे रंग सहित कई रंग विकल्पों में से चुन सकते हैं।

गाड़ियां केबिन लेआउट में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन यह ग्रे और ब्लैक थीम के साथ आता है। फीचर्स में बोस स्पीकर सिस्टम, एम्बिएंट लाइट्स, एम्बिएंट साउंड्स, एक सनरूफ और लेदरेट सीट्स, डोर आर्मरिस्ट और फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग जैसे अधिक प्रीमियम अतिरिक्त शामिल हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, ईएससी, एचएसी, वीएसएम और रियर पार्किंग सेंसर मानक हैं। पैकेज में रियर पार्किंग कैमरा, टीपीएमएस, हेडलैंप एस्कॉर्ट फंक्शन, स्वचालित हेडलैंप और भी बहुत कुछ है। में मानक के रूप में 26 सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, कार सभी सीटों के लिए सीटबेल्ट रिमाइंडर के साथ आती है।

Hyundai i20 को पावर देना एक परिचित 1.2-लीटर चार-सिलेंडर NA पेट्रोल मोटर है जो 5-स्पीड मैनुअल या IVT से जुड़ा है। यह मोटर 83bhp और 114.7ठे का टॉर्क पैदा करती है और एक इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर के साथ आती है। यह नई 20 के साथ पेश किया जाने वाला एकमात्र इंजन है, जिसमें पहले की तरह कोई टर्बो-पेट्रोल नहीं है।

भारतीय बाजार में Hyundai i20 का मुकाबला मारुति सुजुकी बलेनो, टोयोटा ग्लैंजा और टाटा अल्ट्रोज से है।

जल्द आ रही है बजाज की नई Speed 400, चाकन प्लांट से डिस्पैच शुरू

एनटीवी

बाइक के प्राइस के बारे में भी कंपनी ने घोषणा की थी जो कि 2.23 लाख रुपए स्टार्टिंग प्राइस रखी गई थी। हालांकि अब जब बाइक शोरूम के लिए निकाली जा रही है, तो इसकी कीमत में थोड़ा इजाफा कर दिया गया है और अब यह 2.33 लाख में एक्स शोरूम में उपलब्ध है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि टू व्हीलर की दुनिया में बजाज एक जाना माना नाम है। भारत में आपको हर गली में बजाज के मोटरसाइकिल्स देखने को आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन आज हम बात कर रहे हैं बजाज ऑटो के पुणे में स्थित चाकन प्लांट के बारे में जहां से बजाज की फेमस बाइक ट्रायंफ मोटरसाइकिल की नई मॉडल स्पीड 400 का निर्माण किया जा रहा है। चाकन प्लांट से इस बाइक के तैयार मॉडल अब डिस्पैच होने शुरू हो गए हैं, कहा जा रहा है कि इस महीने के अंत तक इस बाइक की डिलीवरी भी शुरू हो जाएगी।

कार आया जबरदस्त ऑफर, मिनटों में करें टेस्ट ड्राइव

इसी इवेंट के दौरान बाइक के प्राइस के बारे में भी कंपनी ने घोषणा की थी जो कि 2.23 लाख रुपए स्टार्टिंग प्राइस रखी गई थी। हालांकि अब जब बाइक शोरूम के लिए निकाली जा रही है, तो इसकी कीमत में थोड़ा इजाफा कर दिया गया है और अब यह 2.33 लाख में एक्स शोरूम में उपलब्ध है।

इस बाइक के इंजन के बारे में बात करें तो इसमें भी ट्रायम्फ की नई सीरीज का इंजन लगाया गया है और इसमें एक फ्यूल इंजेक्टेड लिक्विड कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है। इंजन की क्षमता की बात करें तो यह इसकी क्यूबिक कैपेसिटी 398.15 है। वहीं यह 8000 आरपीएम पर 39.5 बीएचपी का और 6,500 आरपीएम पर 37.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में आपको सिक्स स्पीड गियर बॉक्स मिलेगा और इसमें स्लीप- एंड -एसिस्ट क्लच का प्रयोग किया गया है। कहा जा रहा है कि यह इंजन 28 किलोमीटर प्रति लीटर की स्पीड देगा।

चार्जिंग और बैटरी संबंधी चिंताएं इलेक्ट्रिक वाहन की विश्वसनीयता को कर रही हैं प्रभावित, सर्वे में खुलासा

एनटीवी

इलेक्ट्रिक वाहनों को विश्वसनीयता चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर चार्जिंग और बैटरी से जुड़े मुद्दों से, जैसा कि एक प्रमुख अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता रिपोर्ट के 2023 वार्षिक ऑटो विश्वसनीयता सर्वेक्षण के अनुसार, उपभोक्ताओं द्वारा अपनाने में बढ़ोतरी के बावजूद, नए ईवी, पारंपरिक गैसोलीन से चलने वाले वाहनों की तुलना में औसतन 79 प्रतिशत ज्यादा समस्याओं का सामना करते हैं।

हाइब्रिड वाहन अपने गैसोलीन समकक्षों की तुलना में कम समस्याएं दिखाते हैं। जबकि प्लग-इन हाइब्रिड 146 प्रतिशत ज्यादा समस्याओं का सामना करते हैं। 19 श्रेणियों में से, इलेक्ट्रिक पिकअप को सबसे कम विश्वसनीय के रूप में पहचाना गया। कॉम्पैक्ट कारों, स्पोर्ट्स कारों और छोटे पिकअप को सबसे विश्वसनीय के रूप में रैंकिंग दी गई।

कंज्यूमर रिपोर्ट्स में ऑटो टेस्टिंग के वरिष्ठ निदेशक जेक फिशर ने बताया कि पुराने वाहन निमार्ता, अभी भी ईवी टेक्नोलॉजी के आदी हो रहे हैं। बैटरी, चार्जिंग और मोटर्स को संभालने में सीमित अनुभव के साथ संघर्ष कर रहे हैं। उत्तरी अमेरिका में टेक्नोलॉजी के चल रहे विकास को देखते हुए, फिशर ने उपभोक्ताओं को ईवी को लीज पर लेने पर विचार करने की सलाह दी।

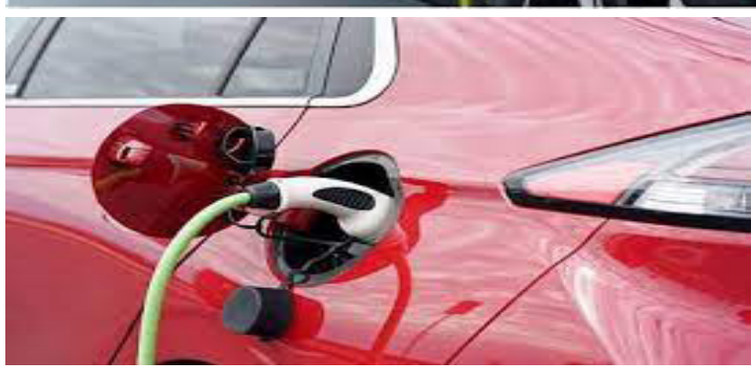

ब्रांड रैंकिंग में, टेस्ला ने अपने बैटरी चालित वाहनों में बॉडी हार्डवेयर, पेंट, ट्रिम और जलवायु प्रणाली से संबंधित चिंताओं के साथ 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, वाहन विश्वसनीयता के आधार पर, टेस्ला जनरल मोटर्स के ब्यूक के बाद दूसरे सबसे अच्छे अमेरिकी वाहन निमार्ता के रूप में उभरा। विशेष रूप से, टेस्ला की मोटर, चार्जिंग तकनीक और बैटरी के साथ कम समस्याएं दर्ज की गईं।

मर्सिडीज-बेंज और स्टेलेंटिस के क्रिसलर ब्रांड क्रमशः 29वें और 30वें स्थान पर रहे। टॉप 10 में एशियाई कार निमार्ताओं का दबदबा रहा। जिसमें लेक्सस अग्रणी रही और टोयोटा ने दूसरा स्थान हासिल किया।

इंजन, इलेक्ट्रिक मोटर, ट्रांसमिशन और इन-कार इलेक्ट्रॉनिक्स सहित 20 समस्या क्षेत्रों को कवर करते हुए, सर्वेक्षण में 2000 से 2023 मॉडल वर्षों तक फैले 330,000 से ज्यादा वाहनों से डेटा एकत्र किया गया। जिसमें कुछ नए पेश किए गए 2024 मॉडल भी शामिल थे।

कंज्यूमर रिपोर्ट्स के अध्यक्ष और सीईओ मार्टा टेलडो के अनुसार, कंज्यूमर रिपोर्ट्स में इस बात पर जोर दिया गया है कि ऑटो बाजार में परिवर्तनकारी बदलावों के बावजूद, उपभोक्ताओं की प्राथमिकता सुरक्षित और विश्वसनीय कारों को खोजने पर केंद्रित हैं।

अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे

आपके मन में सवाल होगा कि आखिर वह कौन-सा राज्य है, जहां दोनों दलों में ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जिसे अपने केंद्रीय नेतृत्व की परवाह नहीं है। कुछ लोग अनुमान लगा भी रहे हैं। जी हां, आपने ठीक फरमाया, वह राज्य राजस्थान है। और यहां के दोनों दलों के स्थानीय क्षत्रप इतने ताकतवर हैं कि उनके बिना दोनों ही दल अपनी स्थानीय राजनीति की कल्पना नहीं कर सकते। एक तरफ हैं कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो दूसरी तरफ हैं भाजपा की नेता और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे सिंधिया। दोनों नेताओं की अपने-अपने समर्थक आधार पर पकड़ ही है कि दोनों ही दल अपने इन नेताओं को नकारने की हिम्मत नहीं दिखा सके। अशोक गहलोत से उनके पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस के सुपर आलाकमान राहुल गांधी की नाराजगी की खबरें दिल्ली से लेकर जयपुर तक के सियासी वायुमंडल में फैली हुई हैं। राजस्थान के चुनाव प्रचार में इसका असर दिखा भी। राज्य में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद राहुल गांधी महज चार घंटे के लिए राजस्थान पहुंचे और तीन जनसभाओं को संबोधित किया। राजस्थान में विधानसभा की दो सौ सीटें हैं, लेकिन राहुल गांधी की तीन जनसभाओं के केंद्र में महज डेढ़ दर्जन ही विधानसभा सीटें रहीं। जिन्हें पता है कि कांग्रेस के सुपर आलाकमान इंदिरा परिवार की क्या ताकत होती है, वे जानते हैं कि अगर गहलोत की ताकत नहीं होती तो अब तक उन्हें आलाकमान घुटनों के बल ला चुका होता। लेकिन आलाकमान ऐसा नहीं कर पा रहा है। याद कीजिए, सचिन पायलट के विद्रोह को। उनके विद्रोह के वक्त कांग्रेस आलाकमान चाहता था कि अशोक इस्तीफा दें। आलाकमान का संदेश लेकर कांग्रेस के दो दूत मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन जयपुर पहुंचे, लेकिन गहलोत ने ना सिर्फ इससे इनकार कर दिया, बल्कि शांति धारीवाल की अगुआई में विधायकों ने अशोक नहीं तो कोई नहीं जैसा समानांतर बगावत कर दी। अशोक गहलोत नहीं माने और अपने दम पर सचिन पायलट का विद्रोह थामने में कामयाब रहे। उसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पार्टी का अध्यक्ष बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उनकी जगह पर वे खड़गे अध्यक्ष बनाए गए, जो कभी उनके खिलाफ हुई बगावत को थामने के लिए आलाकमान के दूत बनकर जयपुर पहुंचे थे। कांग्रेस आलाकमान शांति धारीवाल को टिकट नहीं देना चाहता था, लेकिन गहलोत उन्हें टिकट दिलाने में कामयाब रहे। आलाकमान रोक नहीं पाया। जिन्हें सोनिया गांधी की राजनीति पता है, उन्हें पता है कि अपने विरोधियों को वे माफ नहीं करतीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो उस दौर में एक घोटाले को लेकर संसद में केरल के नेता केपी उन्नीकृष्णन ने सवाल उठाया था। उस दौर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले एक और नेता थे, पी उपेंद्र। पी उपेंद्र बाद में वीपी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बने। उपेंद्र तेलुगू देशम के सांसद थे। सोनिया घोटाला उठाने को लेकर केपी उन्नीकृष्णन से खफा थीं, लेकिन वह उपेंद्र और उन्नीकृष्णन में फर्क नहीं कर पाईं। आंध्र के एक दौरे से पति राजीव के साथ लौटते वक्त उन्हें उपेंद्र दिख गए और उन्हें उन्होंने सार्वजनिक रूप से हड़का दिया था। शांति धारीवाल ने बगावत के दिनों में प्रेस से यहां तक कह दिया था कि कौन हैं सोनिया गांधी। माना जा रहा था कि शांति धारीवाल के राजनीति के दिन लद गए, लेकिन अपने इस वफादार को अशोक गहलोत टिकट दिलाने में कामयाब रहे या दूसरे शब्दों में कहें तो टिकट उन्होंने दिया, यह जानते हुए भी उनका सुपर आलाकमान उनसे नाराज है। अब बात करते हैं वसुंधरा की। राजस्थान में वसुंधरा खुद को बीजेपी की सर्वोच्च नेता मानती रही हैं। वे सिर्फ अटल और आडवाणी के सामने झुकती रही हैं। अन्यथा वे किसी के सामने नहीं झुकतीं। याद कीजिए 16 मई 2014 की तारीख को, जब भाजपा इतिहास बनाने जा रही थी। पहली बार केंद्र में अपने दम पर सरकार बना रही भाजपा की क्षत्रप वसुंधरा नाराज होकर राजस्थान की सभी 25 सीटों से जीते भाजपा सांसदों को लेकर दिल्ली के राजस्थान हाउस चली गई थीं। इसके पहले केंद्रीय नेतृत्व के आदेश के बावजूद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया था। राजस्थान में इस बार माना जा रहा था कि वसुंधरा पहले की तुलना में कमजोर हुई हैं, इसलिए वे अपनी उपेक्षा से बगावत कर सकती हैं। लेकिन वसुंधरा ने खुलकर तेवर नहीं दिखाए। लेकिन पर्दे के पीछे वे सक्रिय रहीं। राजस्थान में कहा जा रहा है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को लगा कि अगर वसुंधरा को नहीं साधा गया और वे कुछ ऐसा-वैसा कदम उठा लेंगी तो राजस्थान में उसकी सत्ता की उम्मीदें धूमिल पड़ जाएंगीं। इसलिए उन्हें मनाने की कोशिशें पर्दे के पीछे से चलीं। वसुंधरा ने तेवर नहीं दिखाए। कहा जा रहा है कि पार्टी उन्हें राजस्थान के लिए अपरिहार्य मानने को मजबूर हुई। राजस्थान में तो यहां तक कहा जा रहा है कि पार्टी ने करीब तीस फीसद टिकट उनके ही समर्थकों को दिए हैं। वैसे उनके कई समर्थक बागी बनकर मैदान में ना सिर्फ डटे रहे, बल्कि भाजपा के लिए परेशानी का सबब बनते रहे।

तुम किस मिट्टी के बने हो

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक पत्रकार ने नौकरी छोड़कर यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया। तब एक यूजर ने पूछा, यदि पहले की तरह किसी ने इसे भी खरीद लिया तो कहाँ जाओगे? पहले दिन उस पत्रकार ने पूरा मन लगाकर काम किया। तब एक यूजर ने फिर से पूछा, आज तुमने कितनी खबरें दिखाईं? पत्रकार ने कहा कि मैंने तो सिर्फ एक खबर ही दिखाई। यूजर चौंककर बोला, क्या सिर्फ एक ही खबर। आम तौर पर भौंकू चैनलों पर काम करने वाले हर भौंकने वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर तो छींक मारकर दिखा देते हैं। अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी खबर दिखाई? एक खबर में सबकी कबर । पत्रकार बोला। क्या! लेकिन तुमने यह कैसे किया? आश्चर्यजनक रूप से यूजर ने पूछा। पत्रकार ने कहा, एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिख डाला कि दम है तो अपनी खबर से मुझे कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे पहले दो हजार रुपए की नोट ली। उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए का गिरना। वह काफी प्रभावित हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने अपने फोन में वाईफाई ऑन कर दो हजार के नोट में छिपे चिप से लिंक किया। गूगल मैप की तर्ज पर मुझे दो हजार रुपए का पता मिल गया। यूजर का होश उड़ता जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बची-खुची खुशी भी चली जाएगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा कि इसमें रोने जैसी कोई बात नहीं है। एक बार अपने फोन का मैसेज इनबॉक्स देख लो। उसमें संदेश आया होगा कि फलां केर फंड में दो हजार जमा करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हर प्रेजेंटेशन पर तारीफों के पुल बाँधते नजर आते हैं। वैसे ये हैं

आंतरिक तथा बाह्य सुरक्षा से सतर्क रहें भारत। चीन और पाकिस्तान पारंपरिक दुश्मन

लेखक : संजीव ठाकुर

> भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है। मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

पत्रकारिता और जनसंचार का अध्ययन करने के लाभ

लेखक : विजय गर्ग

> इनके बारे में पता चलता रहता है। यह सब मास मीडिया और प्रौद्योगिकी के कारण है। जनसंचार और कुछ नहीं बल्कि बड़ी संख्या में लोगों, यानी पूरे देश या दुनिया भर में जानकारी फैलाना है। यदि जनसंचार समाचार फैलाने की गतिविधि है, तो पत्रकारिता प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समाचारों के संग्रह और प्रसार से संबंधित है। इसमें रिपोर्टिंग, लेखन, संपादन, फोटोग्राफिंग, प्रसारण, या केबल कास्टिंग समाचार आइटम जैसे कार्य के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

पत्रकारिता क्या आप निडरता से मंत्रियों पर ऐसे सवालों की बौछार करने की इच्छा रखते हैं जो उन्हें आतंक प्रभावित स्थिति या चक्रवात से तबाह जगह पर घबराने या कार्रवाई करने पर मजबूर कर देंगे? यह मीडिया की दुनिया है जो रोमांचक भी है और चुनौतीपूर्ण भी। और प्रौद्योगिकी के साथ जिस तरह से हम मीडिया का उपभोग करते हैं, चाहे वह सुबह के समाचार पत्र को छानना हो या शाम की टेलीविजन समाचार देखना हो या स्मार्टफोन पर, ट्विटर पर, या अन्य सामाजिक ऐप देखना हो, पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में कैरियर के ढेर सारे अवसर खुल गए हैं। पत्रकारिता और जनसंचार में डिग्री आपको अपने महत्वाकांक्षी सपनों को पूरा करने में मदद करेगी। यह न केवल न्यूज रूम में टिकट पाने की आपकी संभावनाओं को बढ़ाएगा बल्कि संचार, विपणन, शिक्षा और मनोरंजन जैसे अन्य क्षेत्रों में भी उपयोगी होगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार क्या है? पत्रकारिता समाचारों और सूचनाओं को एकत्र करने, उनका आकलन करने, बनाने और प्रस्तुत करने की गतिविधि है। मूलतः, हाल के घटनाक्रमों के बारे में लिखना। जनसंचार संचार के विभिन्न माध्यमों के माध्यम से बड़े दर्शकों तक सूचना फैलाने का अध्ययन है। हम सभी संचार के विभिन्न माध्यमों के जाल से जुड़े हुए हैं। दुनिया भर की ताजा खबरें हों या क्रिकेट स्कोर से जुड़ी खबरें, हमें इनके बारे में पता चलता रहता है। यह सब मास मीडिया और प्रौद्योगिकी के कारण है। जनसंचार और कुछ नहीं बल्कि बड़ी संख्या में लोगों, यानी पूरे देश या दुनिया भर में जानकारी फैलाना है। यदि जनसंचार समाचार फैलाने की गतिविधि है, तो पत्रकारिता प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समाचारों के संग्रह और प्रसार से संबंधित है। इसमें रिपोर्टिंग, लेखन, संपादन, फोटोग्राफिंग, प्रसारण, या केबल कास्टिंग समाचार आइटम जैसे कार्य के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। पत्रकारिता में स्थानीय और साथ ही विश्व की घटनाओं, रुझानों, समसामयिक मामलों आदि की जांच, विश्लेषण और रिपोर्टिंग शामिल है। हाल के वर्षों में, मास मीडिया और संचार का क्षेत्र आंशिक रूप से संवादात्मक अवधारणा के रूप में विकसित हुआ है जो मानव जीवन के लगभग हर पहलू को छूता है। और, समाचार पत्रों, टेलीविजन और इंटरनेट के माध्यम से हमारे जीवन में मीडिया के व्यापक प्रसार के साथ, जन संचार का क्षेत्र पहले से कहीं अधिक लोकप्रियता हासिल कर रहा है। आपको पत्रकारिता और जनसंचार में डिग्री क्यों हासिल करनी चाहिए? पत्रकारिता और जनसंचार में डिग्री रचनात्मक, सुशिक्षित लोगों के साथ/साथ काम करने का अवसर लाती है जो आपको अच्छा करने के लिए प्रेरित करते हैं। एक क्षेत्र के रूप में मास मीडिया का दायरा बढ़ रहा है और इसमें नौकरी के अवसरों की कभी कमी नहीं है। व्यक्ति को नाम, प्रसिद्धि और पैसे का स्वाद मिलता है और काम करते समय यात्रा भी करनी पड़ती है। पत्रकारिता और जनसंचार का दायरा और करियर की संभावनाएं जनसंचार माध्यमों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में उम्मीदवारों के लिए संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारत में इसका दायरा बहुत व्यापक है, अगर आप अपने क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं तो आप देश के कुछ बेहतरीन पब्लिशिंग हाउस, प्रोडक्शन हाउस, न्यूज चैनल, रेडियो चैनल या पीआर फर्मों के साथ काम कर सकते हैं। पत्रकारिता एवं संचार में करियर विकल्पः 1. टेलीविजन महामारी के बाद के युग ने मनोरंजन क्षेत्र में रचनात्मक निमार्ताओं और निर्देशकों की बढ़ती मांग पैदा की। आपमें से जो लोग फिल्मों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करने का शौक रखते हैं, उनके लिए यह सही प्रोफाइल है। आप मीडिया जगत में प्रवेश कर सकते हैं और टेलीविजन और फिल्म निर्देशकों और निमार्ताओं सहित कई प्रोफाइल तलाश सकते हैं इस डिग्री वाले पेशेवर स्क्रिप्ट राइटर, वीडियो एडिटर, 3डी डिजाइनर, ग्राफिक्स और एनीमेशन क्रिएटर्स के प्रोफाइल में भी फिट हो सकते हैं। 2. पत्रकार ख&टउ में डिग्री के बाद सबसे आम करियर विकल्प पत्रकार का है। यह उम्मीदवारों को पत्रकारिता से संबंधित सभी आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करता है, जिससे उन्हें जनता तक सच्ची कहानी प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायता मिलती है। 3. डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ ख&टउ में डिग्री छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग में एक समृद्ध करियर के लिए आवश्यक कौशल से लैस करती है। आज की प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में, आपको एसईओ, एसईएम, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, ईमेल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, इनबाउंड मार्केटिंग और वेब एनालिटिक्स सहित विशिष्ट क्षेत्रों में विविध कैरियर के अवसरों के साथ प्रयोग करने का मौका मिलता है। 4. रेडियो जॉकी (आरजे) रेडियो जॉकी एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसमें करियर की ढेरों संभावनाएं हैं। जे एंड एमसी की डिग्री के साथ, आप विभिन्न कौशल हासिल करते हैं और संचार के विविध पहलुओं और कहानी कहने, रचनात्मकता, बॉक्स से बाहर सोचने और बहुत कुछ सीखने की आदत सीखते हैं। 5. सोशल मीडिया एक्जीक्यूटिव सोशल मीडिया में एक कार्यकारी के रूप में, आप काम करते हैं और विचारों का प्रसार करते हैं, क्योंकि आज की पीढ़ी अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताती है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

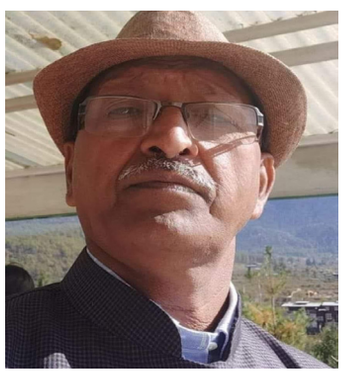

लेखक :सुशील कुमार

> इसका तात्पर्य यह समझा जाए कि समाज के सबसे पुराने, सभ्य, संस्कारवान, सहनशील समाज के विरुद्ध बोलना- लिखना तथा उनके आराध्यों का अपमान करना अथवा आतंकवादियों तथा बदमाशों की पैरोकारी करना ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है? जब कोई चित्रकार हिन्दू देवताओं के नग्न चित्र बनाये अथवा कोई कवि मंचों पर राधा कृष्ण के अश्लील गीत बनाकर गाये अथवा कोई मानसिक विकलांग वामपंथी साहित्यकार सिखों के धर्म

विचारों को बिना किसी डर भय या लाग- लपेट के प्रकट करना ही अभिव्यक्ति हो सकता है। अभिव्यक्ति के प्रकटीकरण का माध्यम लेख, चित्र, कार्टून-मूर्ती निर्माण, प्रदर्शन अथवा कोई अन्य माध्यम भी हो सकता है। यह भी सच है कि अभिव्यक्ति के प्रकटीकरण पर सभ्य समाज में कोई भी बंदिशें नहीं लगाई जा सकती हैं। क्या इसका तात्पर्य यह समझा जाए कि किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष को अपनी भावनायें व्यक्त करने का निरंकुश अधिकार दे दिया जाए? उन्हें छूट दे दी जाये कि समाज एवं देश के हितो के विरुद्ध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग करें अथवा राष्ट्र विरोधी ताकतों के हाथ का खिलौना बनकर धर्म एवं समाज की जड़ों पर कुठाराघात करें? अगर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहा जाए जिसमे नैतिकता का बोध न हो तो ऐसी अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाना ही चाहिए। अगर कोई कलाकार किसी नग्न चित्र में सौन्दर्य दशार्ता है तो यह उसकी अभिव्यक्ति हो सकती है परन्तु उसी चित्र के माध्यम से जब वह किसी वर्ग, धर्म विशेष के देवी देवता, आराध्य अथवा महिला विशेष के शरीर में इस सौंदर्य को दशार्ने का प्रयास करता है तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रहार करता है। कालान्तर में हमने देखा कि मशहूर चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन ने अपने कला चित्रों के माध्यम से भारतीय समाज में विष घोलने का काम किया था। इसी प्रकार साहित्य के क्षेत्र में भी अनेको लेखकों ने केवल हिन्दू समाज पर ही प्रहार को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समझ लिया है। इतिहास साक्षी है कि तसलीमा नसरीन व सलमान रुसदी ने मात्र इस्लाम धर्म में व्याप्त कुछ बुराइयों को अभिव्यक्त करने का प्रयास किया था तब सम्पूर्ण मुस्लिम समाज तथा अभियक्ति के तथाकथित पैरोकार इन लोगो के विरुद्ध खड़े हो गए। इसका तात्पर्य यह समझा जाए कि समाज के सबसे पुराने, सभ्य, संस्कारवान, सहनशील समाज के विरुद्ध बोलना- लिखना तथा उनके आराध्यों का अपमान करना अथवा आतंकवादियों तथा बदमाशों की पैरोकारी करना ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है? जब कोई चित्रकार हिन्दू देवताओं के नग्न चित्र बनाये अथवा कोई कवि मंचों पर राधा कृष्ण के अश्लील गीत बनाकर गाये अथवा कोई मानसिक विकलांग वामपंथी साहित्यकार सिखों के धर्म गुरु व समाज के रक्षक गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज को लुटेरा लिखे तब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार कहाँ चले जाते हैं? उपरोक्त सभी तथ्यों को जानने समझने के उपरान्त अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता की व्याख्या नए सिरे से करने की आवश्यकता है। विगत दिनों देखने में आया कि कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी कश्मीर के मुद्दे को लेकर अलगाववादियों के समर्थन में खड़े दिखाई दिए अथवा आतंकवादियों की रिहाई के लिए लामबंद होते दीखे। प्रश्न यह है कि राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध बोलने वालों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं अपितु राष्ट्र द्रोह के अंतर्गत देखना चाहिए। सरकार और प्रशासन का दायित्व है कि तुष्टिकरण तथा भेदभाव की नीतियों को त्यागकर समानता के साथ कार्यवाही करनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार केवल उस व्यक्ति अथवा संस्था को ही मिल सकता है जो राष्ट्र हितों को प्रथम तथा नैतिकता को महत्त्व दे। डॉ अ कीर्तिवर्धन विद्या लक्ष्मी निकेतन, 53 महालक्ष्मी एन्क्लेव मुजफ्फरनगर-251001 8265821800

सब्सिडी कम होने के बाद भी हर माह बिक रहे 70 हजार से ज्यादा दोपहिया ईवी, पढ़ें व्यापार की खबरें

एनटीवी, नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में नरमी के बीच सोना 300 रुपये सस्ता होकर 63,200 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। बुधवार को इसने 63,500 रुपये का रिकॉर्ड स्तर बनाया था। हालांकि, चांदी 200 रुपये महंगी होकर 79,200 पर पहुंच गई। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) पर सब्सिडी कम होने का कोई असर नहीं दिख रहा है। हर महीने 70,000 दोपहिया ईवी बिक रहे हैं। जून में सब्सिडी कम हुई तो इसका असर दिखा और बिक्री घटकर 45,000 तक पहुंच गई। लेकिन त्योहारी मौसम में यह बिक्री सब्सिडी खत्म होने के पूर्व स्तर पर आ गई। अक्तूबर में 75,000 और नवंबर में 82,000 दोपहिया ईवी बेचे गए। दोपहिया ईवी पर पहले अधिकतम 60,000 रुपये तक सब्सिडी मिल रही थी। अब यह घटकर 21,500 हो गई है। एथर एनर्जी के मुख्य बिजनेस अधिकारी रवनीत फोकेला ने कहा कि यह तो तय है कि लंबे समय में सब्सिडी जाने वाली ही थी। लेकिन यह पहले चली गई। इसके जाने का असर हमने देखा, लेकिन बहुत कम समय तक था। अब दोपहिया ईवी की बिक्री उस स्तर पर आ गई है, जो सब्सिडी से पहले थी। 40 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत वाले मकानों की बिक्री में तीन गुना बढ़ोतरी देश के शीर्ष सात शहरों में 40 करोड़ रुपये से ज्यादा के मकानों की बिक्री इस साल तीन गुना बढ़कर 4,063 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। इन शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई-महानगर क्षेत्र, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद और पुणे हैं। इन शहरों में कुल 58 मकान बेचे गए हैं। एनारॉक के मुताबिक, 2022 के कैलेंडर साल में 1,170 करोड़ रुपये के 13 मकान बिके थे। कोरोना के बाद अमीर और बहुत ज्यादा अमीर लगातार महंगे मकान खरीद रहे हैं। हैदराबाद के जुबिली हिल्स में एक मकान बिका है जो 40 करोड़ का है। मुंबई में बिके 53 में से तीन घर ऐसे हैं जो 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के हैं। सात की कीमत 100 से 200 करोड़ रुपये है। दिल्ली में 100 करोड़ से ज्यादा के दो मकान बिके हैं। सोना 300 रुपये सस्ता, चांदी हुई महंगी वैश्विक बाजारों में नरमी के बीच सोना 300 रुपये सस्ता होकर 63,200 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। बुधवार को इसने 63,500 रुपये का रिकॉर्ड स्तर बनाया था। हालांकि, चांदी 200 रुपये महंगी होकर 79,200 पर पहुंच गई। विश्लेषकों के मुताबिक, वैश्विक बाजारों में मांग घटने और रिकॉर्ड कीमत के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई।

सोना 2,040 डॉलर प्रति औंस और चांदी 24.96 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। रुपये में पांच पैसे की गिरावट बुधवार को बढ़ने के बाद बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे गिरकर 83.37 पर बंद हुआ। एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्रा नवंबर में डॉलर की तुलना में बढ़त में रही, लेकिन रुपया गिरावट में रहा। सेंसेक्स ने छुआ 67,000 का आंकड़ा बीएसई सेंसेक्स लगातार तीसरे दिन बढ़त में रहा। दिन में यह 67,069 के आंकड़े को छू लिया। हालांकि, सितंबर में यह 67,927 तक गया था। अंत में 86.53 अंक बढ़कर यह 66,988.40 पर बंद हुआ। इसके 30 में से 17 शेयर बढ़त में और 13 गिरावट में रहे। बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में अल्ट्राटेक, सनफार्मा, एयरटेल, महिंद्रा और विप्रो रहे। गिरने वालों में इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, रिलायंस और एशियन पेंट्स रहे। निवेशकों की पूंजी 2.31 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 335.60 लाख करोड़ रुपये रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.55 अंक बढ़कर 20,133.15 पर बंद हुआ।

इसके 50 में से 32 शेयर बढ़कर और 17 गिरकर बंद हुए। बैंक ऑफ अमेरिका व एचडीएफसी पर जुमार्ना आरबीआई ने तमाम नियमों के उल्लंघन के मामले में बैंक ऑफ अमेरिका और एचडीएफसी बैंक पर 10,000-10,000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में बताया कि फेमा के तहत इन दोनों बैंकों ने कुछ जानकारियां नहीं दी थीं। आरबीआई ने पांच अन्य सहकारी बैंकों बिहार के पाटलिपुत्र सहकारी, बालासोर भद्रक, पाटन नागरिक सहकारी और मंडल नागरिक सहित अन्य पर जुमार्ना लगाया है। आरईसी 1.50 लाख करोड़ लेगी उधारी सरकारी कंपनी आरईसी वित्त वर्ष 2023-24 में 1.50 लाख करोड़ रुपये की उधारी लेगी।

कंपनी के बोर्ड ने इसे मंजूरी दे दी है। पहले इसकी योजना 1.20 लाख करोड़ रुपये की थी। सिएट को 1.98 करोड़ का जीएसटी नोटिस टायर बनाने वाली सिएट को 1.98 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। कंपनी ने बताया कि इसमें 18 लाख रुपये का जुमार्ना भी शामिल है। यह नोटिस वड़ोदरा-2 के सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त ने जारी किया है। दूसरी तिमाही में आवास मूल्य सूचकांक घटा अखिल भारतीय आवास मूल्य सूचकांक जुलाई-सितंबर में 4.5 फीसदी से घटकर 3.4 फीसदी हो गया है। आरबीआई के अनुसार, 10 प्रमुख शहरों चेन्नई, अहमदाबाद, बंगलूरू, दिल्ली, कोच्चि, जयपुर, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ व मुंबई में पंजीकरण के आधार पर जानकारी मिली है।

चार दिसंबर से भारत में शुरू होगा ग्लोबल टेक्नोलॉजी समित

एनटीवी, नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को कहा कि इस ग्लोबल टेक्नोलॉजी समित का थीम जियोपॉलिटिक्स ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी की भू-राजनीति) होगा। इस समित की सह-मेजबानी विदेश मंत्रालय की पॉलिसी प्लानिंग एवं रिसर्च डिविजन और कानेर्गी इंडिया द्वारा की जा रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीटीएस में भारत और दुनियाभर से नीति निमार्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, टेक्नोक्रेट और इनोवेटर्स सहित करीब सौ वक्ताओं और हजारों प्रतिभागी शामिल होंगे। इस समित में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, सिंगापुर, सिएरा लियोन, श्रीलंका, केन्या, लिथुआनिया, ब्राजील और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के मंत्री और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के साथ शुरू होगा। इसका 4-6 दिसंबर 2023 के बीच होने जा रहा है। बता दें कि पिछले साल भारत में सातवीं ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट का आयोजन नई दिल्ली में 27 नवंबर को हुआ था। समित का उद्घाटन विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के संबोधन के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

टोयोटा की नवंबर में बिक्री 51 प्रतिशत बढ़कर 21,879 इकाई

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) अतुल सूद ने कहा, बेहतर बुकिंग से त्योहारी सीजन अच्छा रहा।हम यह देखकर खुश हैं कि बाजार में हमारे हर खंड को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर 51 प्रतिशत बढ़कर 17,818 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल नवंबर में 11,765 वाहन बेचे थे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नवंबर में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 16,924 इकाई रही।

वहीं 894 इकाइयों का निर्यात किया गया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) अतुल सूद ने कहा, बेहतर बुकिंग से त्योहारी सीजन अच्छा रहा।हम यह देखकर खुश हैं कि बाजार में हमारे हर खंड को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। टीकेएम के अनुसार, इस वर्ष 2023 (जनवरी-नवंबर) तक उसकी संचयी बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 2,10,497 इकाई रही, जो 2022 की समान अवधि में 1,49,995 इकाई थी।

Flair Writing के शेयर निर्गम मूल्य से 65 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ सूचीबद्ध

कंपनी का शुरूआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 4,771.25 करोड़ रुपये रहा। फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्री के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली लगाने के अंतिम दिन 24 नवंबर को 46.68 गुना अधिक अभिदान मिला था। कलम बनाने वाली कंपनी फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्री के शेयर ने शुक्रवार को शानदार शुरूआत की और 304 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 65 प्रतिशत से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने 65.45 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 503 रुपये पर अपनी शुरूआत की। फिर यह 69 प्रतिशत चढ़कर 514 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर यह 64.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 501 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का शुरूआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 4,771.25 करोड़ रुपये रहा।

फिर बढ़ें एलपीजी सिलेंडर की कीमत

एनटीवी, नई दिल्ली

एलपीजी सिलेंडर की कीमत महीने के पहले दिन एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज किया जाता है। आज भी इनकी कीमतों को रिवाइज किया गया है। तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 21 रुपये की वृद्धि कर दी है। ये कीमतें आज से लागू हो गई हैं। अब नई दिल्ली में 19 किलों सिलेंडर 1797.50 रुपये का मिलेगा। फिर बढ़ें एलपीजी सिलेंडर की कीमत देश भर में हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज किया जाता है। आज भी इनकी कीमतों को अपडेट किया गया है। देश भर में एक बार फिर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 21 रुपये की बढ़त हुई है। वहीं घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो वाला गैस सिलेंडर 1,797.50 रुपये का मिलेगा। आपको बता दें कि पिछले महीने भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 103 रुपये की बढ़त की गई थी। इस बढ़त के बाद रेस्टोरेंट मालिकों के साथ मिठाई बेकर्स को बड़ा झटका लगा है। आइए, जानते हैं कि देश के महानगरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत क्या है? महानगरों में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत राजधानी दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1796.50 रुपये हो गई है। नवंबर में इनकी कीमत 1775.50 रुपये था। कोलकता में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,908 रुपये है। पिछले महीने इनकी कीमत 1,885.50 रुपये थी। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,749 रुपये हो गई है जो पिछले महीने 1,728 रुपये था। चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,968.50 रुपये है जबकि अगस्त में इसकी कीमत 1,942 रुपये थी। घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर आपको बता दें कि देश में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 1 दिसंबर 2023 को भी इनकी कीमतों में बदलाव नहीं किया गया था। इसका मतलब कि राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 903 रुपये है।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स फिर घटाया, 6300 रुपये प्रति टन से 5000 रुपये प्रति टन किया

- भारत सरकार ने गुरुवार को कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है।

एनटीवी, नई दिल्ली

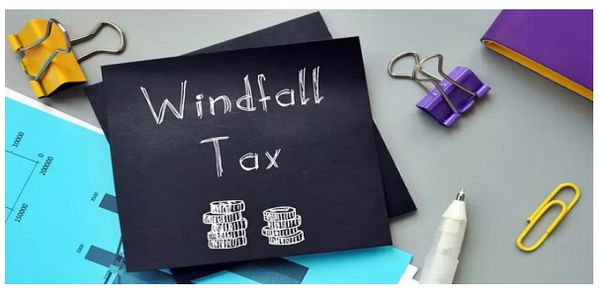

सरकार की ओर से अप्रत्याशित और औसत से ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए गए टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। जब सरकार किसी उद्योग के राजस्व में अचानक वृद्धि देखती है, तो वह विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लेती है। भारत सरकार ने गुरुवार को कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। हर पखवाड़े बीते दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा की जाती है। केंद्र ने 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन कर दिया था। क्या है विंडफॉल टैक्स? सरकार की ओर से अप्रत्याशित और औसत से ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए गए टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। जब सरकार किसी उद्योग के राजस्व में अचानक वृद्धि देखती है,

तो वह विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लेती है। यह टैक्स लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है।

विंडफॉल टैक्स अस्थाई होता है। विंडफॉल टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से की जाती है।

- ये टैक्स आम तौर पर लंबे समय से स्थापित बिजनेस पर लगाया जाता है जो किसी बाहरी कारण की वजह से मोटा मुनाफा बनाते हैं।

ये टैक्स आम तौर पर लंबे समय से स्थापित बिजनेस पर लगाया जाता है जो किसी बाहरी कारण की वजह से मोटा मुनाफा बनाते हैं। आसान शब्दों में कहें तो प्रॉफिट विंडफॉल है। इसलिए अप्रत्याशित लाभ पर अप्रत्याशित कर लगाता जाता है।

शेयर बाजार में दिसंबर की धमाकेदार शुरूआत, सेंसेक्स 250 अंक उछला, निफ्टी रिकॉर्ड हाई पर

एनटीवी, नई दिल्ली

शुरूआती कारोबार में सुबह 9 बजकर 19 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 271 अंक या 0.41% बढ़कर 67,260 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 90 अंकों या 0.44% की तेजी के साथ 20,223 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। शेयर बाजार में दिसंबर महीने की धमाकेदार शुरूआत हुई है। सितंबर तिमाही में अनुमानों से अधिक आर्थिक वृद्धि, वैश्विक ब्याज दर परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद बढ़ने और एग्जिट पोल के नतीजों से आम चुनाव के बाद राजनीतिक स्थिरता का संकेत मिलने से शुक्रवार को निफ्टी 50 नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुला। शुरूआती कारोबार में सुबह 9 बजकर 19 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 271 अंक या 0.41% बढ़कर 67,260 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 90 अंकों या 0.44% की तेजी के साथ 20,223 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। सितंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.6% रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक के 6.5% के अनुमान से अधिक है। इस बीच, विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मामूली बढ़त में दिखी, दूसरी ओर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में आगे दिख रही है। दिसंबर महीने के पहले दिन बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल शुक्रवार को विप्रो, टाइटन, एचसीएल टेक और इंफोसिस को छोड़कर सेंसेक्स के सभी शेयर हरे निशान पर खुले। इस बीच, सेक्टोरल मोर्चे पर, निफ्टी रियल्टी 2% से अधिक और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.75% बढ़ गया। इसके अलावा शुरूआती कारोबार में निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल, एफएमसीजी, मीडिया, मेटल और फार्मा में तेजी रही। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.66% की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप 100 में 0.7% की वृद्धि दिखी। निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर स्मॉलकैप फर्म आईटीडी सीमेंटेशन ने आंध्र प्रदेश में 500 मेगावाट हाइडल पावर के सिविल और हाइड्रोमैकेनिकल कार्यों के लिए लगभग 1001 करोड़ रुपये का अनुबंध हासिल हासिल किया इसके बाद कंपनी के शेयरों में 13% की वृद्धि दिखी। वहीं दूसरी ओर, थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड में प्रमोटर फेयरब्रिज कैपिटल की ओर से शेयरों की बिक्री की पेशकश के बाद कंपनी के शेयर पांच प्रतिशत टूटकर खुले।

मेटा ने अमेरिका में डिलीट किए हजारों फेसबुक अकाउंट, भारत के लिए भी है चेतावनी

एनटीवी, नई दिल्ली

अमेरिका में अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर इन अकाउंट से ध्रुवीकरण वाली राजनीतिक कंटेंट फैलाए जा रहे थे। बता दें कि चीन में फेसबुक जैसी सोशल साइट पर बैन है लेकिन इन अकाउंट को वीपीएन की मदद से बनाया गया था। फेसबुक ने अमेरिका में हजारों अकाउंट्स को बंद कर दिया है। मेटा की एक रिपोर्ट के मुताबिक किसी चाइनीज शख्स ने अमेरिकी यूजर्स के नाम पर कई सारे फेसबुक अकाउंट बनाए थे और इन अकाउंट के जरिए राजनीति को लेकर फर्जी कंटेंट शेयर किए जा रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर इन अकाउंट से ध्रुवीकरण वाली राजनीतिक कंटेंट फैलाए जा रहे थे। बता दें कि चीन में फेसबुक जैसी सोशल साइट पर बैन है लेकिन इन अकाउंट को वीपीएन की मदद से बनाया गया था। इन अकाउंट्स के यूजर नेम भी अमेरिकी नेम जैसे थे। एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मेटा ने इस तरह के करीब 4,800 फेसबुक अकाउंट को बंद कर दिया है। बंद किए गए अकाउंट्स चाइनीज सरकार के प्रोपेगैंडा को भी फैलाया जा रहा था। मेटा इस तरह का फैसला भारतीय फेसबुक यूजर्स के लिए भी ले सकता है। इतने फेसबुक अकाउंट को क्यों किया गया डिलीट? जिन अकाउंट्स को फेसबुक ने डिलीट किया है, इन अकाउंट्स के जरिए फर्जी राजनीतिक फोटोज शेयर किए जा रहे थे। इसके अलावा अकाउंट पर फर्जी लोकेशन अपडेट किया जा रहा था। साथ ही इन अकाउंट से राजनीति के संबंध में गलत पोस्ट किए जा रहे थे। ये अकाउंट अपने पोस्ट को एक्स पर भी शेयर करते थे। इस तरह के अकाउंट केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि भारत में भी बैन हो सकते हैं। भारत में भी चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर फर्जी और आरोप-प्रत्यारोप वाले कंटेंट की बाढ़ आ जाती है।

15 परोपकारियों में निलेकणि, केपी और निखिल कामथ, फोर्ब्स की एशिया हीरोज ऑफ फिलॉन्थ्रॉपी लिस्ट जारी

एनटीवी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ यूट्यूब पॉडकास्ट सीरीज 'डब्लूटीएफ इज' से एक करोड़ रुपये उस चैरिटी संस्था को देंगे जो दर्शकों ने चुनी हो। निखिल कामथ जून में गिविंग प्लेज में शामिल हुए थे और ऐसा करने वाले वो भारत से चौथे कारोबारी हैं। फोर्ब्स ने 'एशिया के परोपकारी नायकों' की सूची जारी की है। इसमें भारत के तीन दिग्गजों को शामिल किया गया है। इसमें इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन निलेकणि, डीएलएफ के के चेयरमैन ऐमिरेट्स कुशल पाल सिंह और जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ को जगह मिली है। सूची में किसी को कोई रैंक नहीं दी गई है। व्यापार उद्योग के उन दिग्गजों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है, जो वित्तीय दान तो कर रहे हैं, वहीं इसके अलावा कुछ चुनिंदा मुद्दों पर व्यक्तिगत रूप से भी लोगों की मदद कर रहे हैं। 17वें संस्करण की लिस्ट में शामिल निलेकणि ने इस साल जून में आईआईटी बॉम्बे को 3.2 अरब रुपये दान दिया। फोर्ब्स के मुताबिक, ये वित्तीय मदद भारत के एजुकेशन सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए काम आने वाली है। केपी सिंह ने 731 करोड़ परोपकार के लिए जुटाए डीएलएफ के कुशल पाल सिंह 92 साल के हैं। अगस्त में अपनी रियल एस्टेट कंपनी में बची हुई डायरेक्ट हिस्सेदारी को बेच दिया था। इसके जरिये उन्होंने 7.3 अरब रुपये जुटाए थे। उन्होंने 731 करोड़ रुपये की रकम देश में परोपकारी कामों के लिए जुटाए। 1961 में केपी सिंह इंडियन आर्मी छोड़कर अपने ससुर की कंपनी डीएलएफ में शामिल हो गए थे और 2020 तक डीएलएफ के चेयरमैन के पद पर रहे। इसके बाद से वो फिलहाल कंपनी के चेयरमैन ऐमिरेट्स हैं। निखिल कामथ 1 करोड़ चैरिटी संस्था को देंगे देश की सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ यूट्यूब पॉडकास्ट सीरीज 'डब्लूटीएफ इज' से एक करोड़ रुपये उस चैरिटी संस्था को देंगे जो दर्शकों ने चुनी हो। निखिल कामथ जून में गिविंग प्लेज में शामिल हुए थे और ऐसा करने वाले वो भारत से चौथे कारोबारी हैं। दूसरे कारोबारी जो इस प्लेज में शामिल हैं उनके नाम नंदन नीलेकणि और रोहिणी नीलेकणी, विप्रो के अजीम प्रेमजी और बायोकॉन की किरण मजूमदार-शॉ हैं।

चीन में चल क्या रहा है? दो और बिजनेस एग्जीक्यूटिव लापता, संकटग्रस्त झोंगजी से जुड़े हैं तार

- यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ ही दिन पहले चीनी अधिकारियों ने संकटग्रस्त शैडो बैंक झोंगजी की आपराधिक जांच शुरू की थी।

एनटीवी, नई दिल्ली

चीन की लिस्टेड एजुकेशन फर्म डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी ने कहा कि कंपनी अपनी चेयरपर्सन मा होंग्यिंग से संपर्क नहीं कर पा रही है। शेनझेन स्टॉक एक्सचेंज को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कंपनी समझ नहीं पा रही है कि मा होंग्यिंग से संपर्क क्यों नहीं हो रहा। चीन के संकटग्रस्त वित्तीय समूह झोंगझी की ओर से नियंत्रित कंपनियों के दो और बिजनेस एग्जीक्यूटिव लापता हो गए हैं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ ही दिन पहले चीनी अधिकारियों ने संकटग्रस्त शैडो बैंक झोंगजी की आपराधिक जांच शुरू की थी। पिछले हफ्ते, झोंगजी ने अपने निवेशकों को बताया था कि वह दिवालिया हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार लिस्टेड एजुकेशन फर्म डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी ने कहा कि कंपनी अपनी चेयरपर्सन मा होंग्यिंग से संपर्क नहीं कर पा रही है। शेनझेन स्टॉक एक्सचेंज को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा, कंपनी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं है कि वह मा होंग्यिंग से संपर्क क्यों नहीं कर पा रही है। इसी बीच, शिनजियांग तियानशान पशुपालन बायो-इंजीनियरिंग, जो शिनजियांग क्षेत्र में मवेशियों और डेयरी गायों के प्रजनन का काम करता है ने कहा कि उसके अध्यक्ष मा चांगशुई के साथ संपर्क नहीं हो पा रहा है। इन दोनों कंपनियों को झोंगजी की निवेश इकाइयों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। जानकारी के अनुसार लापता अधिकारी वर्षों से समूह से जुड़े हुए हैं। कंपनी के अनुसार, 38 वर्षीय मा होंग्यिंग ने 2015 से झोंगझी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में कार्य किया है। उन्हें 2022 में डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, कुछ साल बाद झोंगजी ने शेयर खरीद सौदे के माध्यम से कंपनी का नियंत्रण हासिल कर लिया था।दूसरी ओर, 59 वर्षीय मा चांगशुई, पशु प्रजनन फर्म में अपनी पोजीशन के साथ-साथ झोंगजी के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं। वह पहले समूह के मुख्य जोखिम नियंत्रण अधिकारी थे। बीजिंग स्थित झोंगझी लगभग एक दर्जन संपत्ति और धन प्रबंधन फर्मों को नियंत्रित करता है। इसे चीन के 3 ट्रिलियन डॉलर के शैडो बैंकिंग उद्योग का हिस्सा माना जाता है। यह उद्योग चीन में वित्तपोषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। शैडो बैंकिंग आमतौर पर वित्तपोषण की ऐसी गतिविधि को कहा जाता है जो औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर संचालित होता है। यह व्यवस्था बैंकों द्वारा ऑफ-बैलेंस-शीट गतिविधियों के माध्यम से या गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों, ट्रस्ट और फर्मों की ओर से संचालित की जाती है। जानकारी के अनुसार झोंगजी की वित्तीय समस्याएं इसके संस्थापक झी झिकुन की दिसंबर 2021 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु के बाद शुरू हुईं। झोंगझी के वित्त के बारे में चिंताएं पहली बार अगस्त में शुरू हुई थीं जब कंपनी के आंशिक स्वामित्व वाला एक ट्रस्ट- झोंगरोंग इंटरनेशनल ट्रस्ट व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट निवेशकों को भुगतान करने से चूक गया था। इससे नाराज निवेशकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इससे इस चिंता को बल मिला था कि चीन के संपत्ति बाजार में मंदी एक व्यापक वित्तीय संकट की ओर ले जा सकता है। झोंगझी की ट्रस्ट बैंकिंग इकाई ने रियल एस्टेट में अपने पैसे का लगभग दसवां हिस्सा निवेश किया है। लेकिन इसके रियल एस्टेट पोर्टफोलियो की कई कंपनियां पिछले कुछ वर्षों में नकदी संकट से जूझ रही हैं, इनमें से कुछ ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। झोंगजी ने पिछले हफ्ते अपने निवेशकों से माफी मांगी थी और स्वीकार किया कि इसकी लिक्विडिटी समाप्त हो गई है। कंपनी ने कहा कि उसके संस्थापक की मौत और उसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के इस्तीफे के बाद से उसका आंतरिक प्रबंधन 'विफलता' की स्थिति में चला गया है। कुछ दिनों बाद, बीजिंग पुलिस ने कंपनी की धन प्रबंधन इकाई की जांच की घोषणा की, जिसमें ₹अवैध गतिविधियों₹ का संदेह जताया गया था।

पाकिस्तान के कब्जे से 1800 वर्ग मील का इलाका छीन लाई थी बीएसएफ, आईजी मजूमदार को मिला था यह सम्मान

एनटीवी, नई दिल्ली

पूर्व एडीजी एसके सूद ने अपनी किताब के चौथे अध्याय में लिखा है, जुलाई 1971 में बीएसएफ की 103वीं बटालियन, जो कूच बिहार में थी, उसने पाकिस्तानी सेना के कब्जे से 1800 वर्ग मील का इलाका छीन लिया था। सीमा सुरक्षा बल की 71वीं बटालियन ने महानंदा नदी के बाद पाकिस्तान की सेना पर जबरदस्त हमला किया था। इस लड़ाई में बीएसएफ के सिपाही पदम बहादुर लामा शहीद हुए थे। सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' शुक्रवार को अपना 59वां स्थापना दिवस समारोह मना रहा है। इस बल ने अनेक मोर्चों पर अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया है। एक दिसंबर 1965 को बल की स्थापना के मात्र छह साल के भीतर, 'बांग्लादेश की मुक्ति की लड़ाई' जैसा बड़ा टॉस्क बीएसएफ को मिला था। इस लड़ाई में मार्च 1971 से लेकर इसके खत्म होने, यानी दिसंबर 1971 तक बीएसएफ शामिल रही थी। कई मोर्चों पर बीएसएफ ने असीम बहादुरी का परिचय दिया। बीएसएफ के पूर्वी फ्रंटियर के आईजी 'गोलक मजूमदार को बांग्लादेश की तरफ से 'फ्रेंड्स ऑफ

बांग्लादेश' का सम्मान दिया गया। 1971 में बीएसएफ की 103वीं बटालियन, जो कूच बिहार में थी, उसने पाकिस्तानी सेना के कब्जे से 1800 वर्ग मील का इलाका छीन लिया था। पाकिस्तानी सेना को दिया था करारा जवाब संजीव कृष्ण सूद, एडीजी बीएसएफ (रिटायर्ड) ने अपनी पुस्तक 'बीएसएफ, द आइज एंड ईयर्स ऑफ इंडिया' में बांग्लादेश की मुक्ति के दौरान 'सीमा सुरक्षा बल' के शौर्य को लेकर कई खुलासे किए हैं। सूद ने लिखा है कि एक दिसंबर 1965 को बल की स्थापना के छह साल के भीतर, 'बांग्लादेश की मुक्ति की लड़ाई' जैसा बड़ा टॉस्क बीएसएफ को मिला था। बांग्लादेश की मुक्ति की लड़ाई में बीएसएफ ने भी भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था। कई मोर्चों पर तो अकेले बीएसएफ ने ही पाकिस्तानी सेना को करारा जवाब दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बीएसएफ के डीजी केएफ रुस्तम से कहा था, आपको जो अच्छा लगे, वह करें, लेकिन पकड़े न जाएं। अपनी पूरी ताकत बॉर्डर पर लगा दें। इस लड़ाई में बीएसएफ के पूर्वी फ्रंटियर के आईजी 'गोलक मजूमदार को फैसले लेने और कार्रवाई की पूरी छूट दे दी गई। बांग्लादेश की तरफ से गोलक मजूमदार को 'फ्रेंड्स ऑफ बांग्लादेश' का सम्मान दिया गया। बांग्लादेश का संविधान तैयार करने में बीएसएफ का रोल 'बीएसएफ' ने बांग्लादेश का अंतिम संविधान तैयार करने में मदद की थी। अपनी किताब में संजीव कृष्ण सूद ने लिखा है, बीएसएफ के तत्कालीन चीफ लॉ अफसर, कर्नल एमएस बैंस ने बांग्लादेश के 'अंतिम संविधान' का ड्राफ्ट तैयार करने में मदद की थी। उनके कई सुझावों को ड्राफ्ट में शामिल किया गया। आईजी गोलक मजूमदार ने इस लड़ाई में अहम योगदान दिया था। उन्होंने पहले त्रिपुरा फिर पश्चिम बंगाल में काम किया था, इसलिए 'इंटेलिजेंस' पर उनकी अच्छी पकड़ थी। पाकिस्तान को लेकर उनके पास तमाम खुफिया सूचनाएं रहती थीं। वे अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जो 'बांग्लादेश अवामी लीग' के संपर्क में रहे। उन्होंने कोलकाता में पाकिस्तान के उच्चायुक्त हुसैन अली को हार स्वीकार करने के लिए तैयार किया था। उनके सामने दूतावास पर पाकिस्तान का झंडा उतर रहा था। वे दिसंबर 1971 में लड़ाई खत्म होने तक अवामी लीग के साथ संपर्क में रहे। गोलक मजूमदार को परम विशिष्ट विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किया गया था। बांग्लादेश सरकार ने उन्हें 'फ्रेंड्स ऑफ बांग्लादेश' के सम्मान से नवाजा था। बीएसएफ ने मुक्ति वाहिनी को प्रशिक्षित किया मुक्ति वाहिनी के अस्तित्व में आने से पहले 'मुक्ति योद्धा' तैयार किए जा रहे थे। संजीव कृष्ण सूद के अनुसार, बीएसएफ ने ही मुक्ति वाहिनी को खड़ा किया था। उनकी ट्रेनिंग व संगठन का ढांचा सीमा सुरक्षा बल की अकादमी के तत्कालीन निदेशक ब्रिगेडियर बीएस पांडे ने तैयार किया था। बॉर्डर के विभिन्न हिस्सों पर 17 ट्रेनिंग सेंटर शुरू किए गए थे। इस सेंटरों पर 3000 मुक्ति वाहिनी कैडर को प्रशिक्षण मिला। बीएसएफ ने पाकिस्तान के संचार सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचाया। बांग्लादेश का मुख्यालय स्थापित किया गया। बांग्लादेश को हर तरह की आपरेशन मदद दी गई। यहां तक कि उनका वायरलेस सिस्टम, बीएसएफ ने ही खड़ा किया था। बीएसएफ ने पूर्वी पाकिस्तान में अनेक पुलों को ध्वस्त कर पाक सेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया।

पाकिस्तान में बड़े शहरों का लिंक खत्म कर दिया गया। 'ब्लैक शट्र्स' कमांडो ने पाकिस्तान को पहुंचाया नुकसान बीएसएफ ने स्पेशल कमांडो 'ब्लैक शट्र्स' तैयार किए थे। ये वही कमांडो थे, जिन्होंने पाकिस्तानी सेना पर घात लगाकर हमला किया। पाकिस्तान की अधिकांश पोजिशन तबाह कर दी गई।

देश की 70 फीसदी आबादी को एड्स की जानकारी नहीं, बचाव-रोकथाम के लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी

एनटीवी, नई दिल्ली

सबसे बड़ी हैरानी वाली बात यह है कि 24 लाख एड्स मरीजों में से करीब 5.5 लाख ऐसे हैं, जिन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं है कि वे इस घातक बीमारी से ग्रसित हैं। उल्लेखनीय है कि पहली बार वर्ल्ड एड्स दिवस 01 दिसंबर, 1988 को मनाया गया था। एड्स जानकारी ही बचाव है यह नारा खुद को मुंह चिढ़ा रहा है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की संकलक : स्टेटस ऑफ नेशनल एड्स रेस्पांस 2022 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 24.01 लाख लोग एचआईवी/एड्स संक्रमित हैं। हर साल एचआईवी संक्रमण के 62,967 नए मामले दर्ज होते हैं और हर साल 41,968 लोगों की मौत होती है। बावजूद इसके 15 साल से चल रहे जागरूक अभियान की हकीकत यह है कि देश में 69 फीसद पुरुषों और 78 फीसदी महिलाओं को एचआईवी/एड्स के बारे में व्यापक जानकारी ही नहीं है। सबसे बड़ी हैरानी वाली बात यह है कि 24 लाख एड्स मरीजों में से करीब 5.5 लाख ऐसे हैं, जिन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं है कि वे इस घातक बीमारी से ग्रसित हैं। उल्लेखनीय है कि पहली बार वर्ल्ड एड्स दिवस 01 दिसंबर, 1988 को मनाया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2022 के डाटा के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 3.6 करोड़ लोग एचआईवी पॉजिटिव हैं। इससे बचाव और इसकी रोकथाम के लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। इस मकसद के साथ वर्ल्ड एड्स दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। 90-90-90 का लक्ष्य मीलों दूर 2015 में संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक इस बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके लिए यूएनएड्स ने 90झ90झ 90 लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य के अनुसार, 2030 तक यह सुनिश्चित किया जाना है कि 90 फीसदी लोग अपनी एचआईवी स्थिति के बारे में जान सकें। एचआईवी पॉजिटिव वाले 90 फीसदी लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच सकें और 90 फीसदी लोग जिन्हें इलाज मिल रहा है उनमें एचआईवी वायरस के प्रसार को कम किया जा सके। सितंबर 2018 में लागू हुआ अधिनियम भारत में एचआईवी व एड्स अधिनियम, सितंबर 2018 में लागू हुआ। यह कानून देश में एचआईवी और एड्स के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने का प्रयास करता है। साथ ही संक्रमित व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने का कार्य भी करता है। निपटने के साझेदारी मजबूत करें सदस्य देश- डब्ल्यूएचओ डब्ल्यूएचओ ने कहा कि साल 2030 तक एचआईवी के उन्मूलन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए साझेदारी मजबूत करते रहें और समुदायों को सशक्त बनाएं। दुनियाभर में करीब 3.9 करोड़ लोग एचआईवी के साथ रह रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

दुबई में करीब 21 घंटे के दौरान सात द्विपक्षीय बैठक करेंगे पीएम मोदी, चार बार संबोधन भी देंगे

एम मोदी शुक्रवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के पार्टियों के सम्मेलन विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेगें। इस सम्मेलन को मुख्य रूप से सीओपी 28 के नाम से भी जाना जाता है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर हैं, जहां वह 21 घंटों में सात द्विपक्षीय बैठक करेंगे इस दौरान वह चार बार संबोधन भी देंगे और जलवायु कार्यक्रम पर दो अहम पहलुओं का हिस्सा भी बनेंगे। पीएम मोदी के विश्व स्तरीय नेताओं से भी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पीएम मोदी शुक्रवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के पार्टियों के कॉन्फ्रेंस 'विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन' में हिस्सा लेगें। इसे मुख्य रूप से 'सीओपी28' के नाम से भी जाना जाता है। इस सम्मेलन में कई विश्व स्तरीय नेता शामिल होने वाले हैं। विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन सीओपी28 का उच्च स्तरीय खंड है। इसके अलावा पीएम मोदी अन्य तीन उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। सीओपी28 यूएई में 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक चलेगा।

बंगलूरू के 13 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली; पुलिस ने सभी परिसर खाली कराए

बेंगलूरू के 13 स्कूलों को शुक्रवार सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल में दावा किया गया कि स्कूल परिसर में विस्फोटक लगाए गए थे। मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। इसके बाद सभी स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया गया। फिलहाल कोई भी संदिग्ध सामान नहीं मिला है। बम की धमकी के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि हम आज स्कूल में एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना कर रहे हैं। स्कूल को अज्ञात स्रोतों से सुरक्षा संबंधी खतरे का सामना करना पड़ा रहा है। हम अपने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, इसलिए हमने छात्रों को तुरंत तितर-बितर करने का फैसला किया है।

आधुनिक शिक्षा के पक्ष में जमीयत उलेमा-ए-हिंद, लड़कियों-लड़कों के लिए अलग स्कूलों का समर्थन

एनटीवी, नई दिल्ली

संगठन के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि देश को डॉक्टरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की उसी तरह जरूरत है जैसे विद्वानों की। हालांकि, उन्होंने कहा कि जमीयत धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य मानती है। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने जोर देकर कहा कि वह धार्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा के पक्ष में है। साथ ही उसने मुस्लिम लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों की वकालत भी दोहराई। मदनी जमीयत की दिल्ली इकाई के जिला अध्यक्षों, आयोजकों और केंद्रीय सदस्यों के एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जमीयत धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य मानती है संगठन के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि देश को डॉक्टरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की उसी तरह जरूरत है जैसे विद्वानों की। हालांकि, उन्होंने कहा कि जमीयत धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य मानती है। हमारे पूर्वज समसामयिक विज्ञान के खिलाफ नहीं थे, हालांकि वे सभी इस्लामी विज्ञान के विद्वान और विशेषज्ञ थे। मदनी ने कहा, देश की आजादी के लिए उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया और अपने जीवन और धन का बलिदान दिया, लेकिन सच्चाई यह है कि वे अंग्रेजी शिक्षा के खिलाफ नहीं थे। मदनी ने इस्राइल-हमास संघर्ष के बारे में बात करते हुए, मदनी ने इस्राइल की आलोचना की और इसे अत्याचारी और हड़पने वाला बताया। उन्होंने फिलिस्तीन के लोगों के प्रति समर्थन जताया। हम शादी-समारोहों में लाखों खर्च करते हैं पर स्कूल-कॉलेजों के बारे में नहीं सोचते मदनी ने चिंता जताई कि दक्षिण भारत के मुसलमानों में आधुनिक शिक्षा उत्तर के मुसलमानों की तुलना में अधिक है। हम शादी और अन्य समारोहों पर लाखों रुपये खर्च करते हैं लेकिन स्कूल और कॉलेज स्थापित करने के बारे में नहीं सोचते। मदनी ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद शासकों की तय नीति के तहत मुसलमानों को शैक्षिक और आर्थिक क्षेत्रों से बाहर रखा गया। इसलिए, अब मुसलमानों के लिए अपने बच्चों को किसी भी कीमत पर शिक्षित करने का समय आ गया है।

क्लाइमेट डैमेज फंड को मिली मंजूरी, विकासशील देशों को मिलेगा मुआवजा

- खासतौर पर गरीब समुद्री द्वीपीय और अफ्रीकी देशों को इस फंड से समुद्र के बढ़ते जलस्तर, सूखा और बाढ़ जैसे हालात से होने वाले नुकसान के खिलाफ सुरक्षा मिलेगी।

एनटीवी, दुबई

समझौते के मसौदा में विकसित देशों से फंड में योगदान करने का आग्रह किया गया है। यह अमेरिका और अन्य धनी देशों का एक प्रमुख अनुरोध था, जो चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के तहत विकासशील माने जाने वाले उच्च आय वाले देश जैसे सऊदी अरब, यूएई भी इसमें योगदान दें। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी 28) में बहुचर्चित व बहुप्रतिक्षित जलवायु-नुकसान निधि (क्लाइमेट डैमेज फंड) को आधिकारिक रूप से मंजूरी मिल गई है। इससे दुनियाभर के देश गरीब और विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहे नुकसान के खिलाफ मुआवजा मिलेगा। मुआवजे के लिए इस कोष की स्थापना को लेकर लंबे समय से बहस चल रही थी। मसलन, फंड कहां स्थित होगा, किन देशों को लाभ मिलना चाहिए और कौन इसका वित्तपोषण करेगा इन सभी सवालों को हल करते हुए सभी सरकारों के वाताकारों ने बृहस्पतिवार को सीओपी-28 की औपचारिक शुरूआत होते ही इस फंड को मंजूरी दे दी। यह अपनी तरह का पहला फंड है, जिसके जरिये जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान और क्षति के लिए भुगतान किया जाएगा। खासतौर पर गरीब समुद्री द्वीपीय और अफ्रीकी देशों को इस फंड से समुद्र के बढ़ते जलस्तर, सूखा और बाढ़ जैसे हालात से होने वाले नुकसान के खिलाफ सुरक्षा मिलेगी। विकसित देशों से फंड में योगदान का आग्रह समझौते के मसौदा में विकसित देशों से फंड में योगदान करने का आग्रह किया गया है। यह अमेरिका और अन्य धनी देशों का एक प्रमुख अनुरोध था, जो चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के तहत विकासशील माने जाने वाले उच्च आय वाले देश जैसे सऊदी अरब, यूएई भी इसमें योगदान दें। समझौते में यह भी कहा गया है यह योगदान स्वैच्छिक होगा। सहमति बनाने में अहम भूमिका बारबाडोस के जलवायु दूत अविनाश ने कहा कि कठिन संघर्ष के बाद यह ऐतिहासिक समझौता हुआ है। हमें पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए बिना देरी के धन मुहैया कराना होगा। यूएई ने 10 करोड़ डॉलर दिए फंड बनाने की शुरूआत करते हुए यूएई ने अपनी तरफ से 10 करोड़ डॉलर का योगदान दिया है। जर्मनी ने भी 10 करोड़ डॉलर के योगदान का एलान किया है। ब्रिटेन ने 7.5 करोड़ डॉलर, अमेरिका ने 1.7 करोड़ डॉलर, जापान ने 1 करोड़ डॉलर के योगदान का एलान किया है। अमेरिका की तरफ से कम योगदान को लेकर काफी आलोचना हो रही है।

जबकि, एतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले देशों में शामिल रहा है। अलग फंड की जरूरत विकासशील देश एक पूरी तरह से नया फंड चाहते थे, जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से अलग हो। विकासशील देशों का तर्क था कि मौजूदा संस्थान अमीर देशों की बनाई लालफीताशाही से बंधे हुए हैं। वहीं, अमेरिका और अन्य विकसित देशों का कहना था कि नई व्यवस्था और संस्था बनाने से गरीब देशों तक पहुंचने वाला धन कम हो जाएगा।

जयहिंद और वंदेमातरम् के नारे लगाने से परहेज करें सांसद, शीतकालीन सत्र से पहले दिशानिर्देश जारी

- सदन की मयार्दा का का हवाला देते हुए सदस्यों से कार्यवाही के दौरान नारेबाजी करने, तख्तियां लहराने से भी बचने की सलाह दी गई है।

एनटीवी, नई दिल्ली

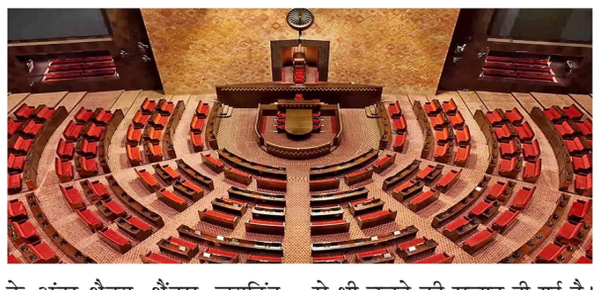

सदस्यों को आसन की ओर पीठ करने से बचने के लिए कहा गया है। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि एक साथ दो सांसदों का खड़ा होना, सीधे सभापति तक जाना संसदीय परंपराओं के खिलाफ है। संसद के सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा सदस्यों को कई तरह के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। सांसदों को सदन के अंदर थैंक्यू, थैंक्स, जयहिंद, वंदेमातरम् जैसे नारों से परहेज बरतने, सभापति की ओर से दी गई व्यवस्था का सदन के अंदर या बाहर आलोचना से बचने की हिदायत दी गई है। सदन की मयार्दा का का हवाला देते हुए सदस्यों से कार्यवाही के दौरान नारेबाजी करने, तख्तियां लहराने से भी बचने की सलाह दी गई है। बृहस्पतिवार को जारी दिशानिर्देश में सांसदों से यह भी कहा गया है कि जब तक उनकी ओर से दिए गए नोटिस को आसन स्वीकार न कर ले, तब तक इसका प्रचार करने से बचें। मीडिया या किसी मंच पर ही नहीं, दूसरे सांसदों से भी नोटिस से संबंधित जानकारी साझा न करें। एक साथ दो सांसद खड़े न हों सदस्यों को आसन की ओर पीठ करने से बचने के लिए कहा गया है। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि एक साथ दो सांसदों का खड़ा होना, सीधे सभापति तक जाना संसदीय परंपराओं के खिलाफ है। एजेंडे में 17 विधेयक सत्र के लिए शनिवार को सर्वदलीय बैठक होगी। सरकार के एजेंडे में सात नए विधेयकों समेत 17 विधेयक हैं। इनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयक के अलावा पोस्ट ऑफिस बिल, मुख्य चुनाव आयुक्त-चुनाव आयुक्त नियुक्ति विधेयक जैसे अहम विधेयक शामिल हैं।

महिला कांग्रेस की रैली में शामिल होंगे राहुल गांधी, राज्य-केंद्र की गलत नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

एनटीवी, तिरुवनंतपुरम

केरल के नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन ने बताया कि रैली का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करना है। पार्टी के कार्यकताओं के साथ-साथ महिला कांग्रेस के वार्ड स्तर के सभी पदाधिकारी रैली में शामिल होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज कोच्चि के मरीन ड्राइव में महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित रैली उल्सा महासंगमम में शामिल होंगे। केरल के नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन ने बताया कि रैली का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करना है। पार्टी के कार्यकताओं के साथ-साथ महिला कांग्रेस के वार्ड स्तर के सभी पदाधिकारी रैली में शामिल होंगे। हमारी रैली उन सरकारों के लिए चेतावनी है, जो महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसाओं को रोकने में विफल रही है। इन चार परियोजनाओं का किया उद्घाटन दो दिन पहले, केरल के नीलांबुर ब्लॉक पंचायत में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ये चार परियोजनाएं लोगों के हित में हैं।

पहली- लोगों के लिए एक उपशामक देखभाल, दूसरी आदिवासी प्रसवरोधी गृह परियोजना (इस योजना का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना),

अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए सामान्य स्वास्थ्य देखभाल परियोजना साथ ही अंतिम परियोजना आदिवासी बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य देखभाल परियोजना है।

बड़े देशों में तेजी से बढ़ी हमारी जीडीपी, पहली छमाही का अनुमान 7.7 फीसदी बढ़कर 82.11 लाख करोड़ रुपये

एनटीवी, नई दिल्ली

आठ प्रमुख इन्फ्रा क्षेत्रों की वृद्धि अक्तूबर में 12.1% रही है। एक साल पहले 0.7% बढ़ी थी। सितंबर में इनकी विकास दर 9.2% रही थी। अप्रैल से अक्तूबर के दौरान 8.6% रही है जो एक साल पहले 8.4% रही थी। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इनका योगदान 40% है। पश्चिमी देशों में मंदी की आशंका और चीन में आर्थिक सुस्ती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने दूसरी तिमाही में सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए 7.6 फीसदी की दर से विकास हासिल की है। हमारी जीडीपी दुनिया के बड़े देशों की तुलना में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। इस दौरान चीन की विकास दर केवल 4.9 फीसदी रही है। अप्रैल से सितंबर के दौरान पहली छमाही में जीडीपी का अनुमान 7.7 फीसदी बढ़कर 82.11 लाख करोड़ रहा है, जो एक साल पहले 76.22 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2022-23 की पहली छमाही में इसमें 9.5 फीसदी की दर से बढ़त दर्ज की गई थी। अप्रैल से सितंबर के बीच वर्तमान मूल्य पर हमारी अर्थव्यवस्था का आकार 142.33 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। एक साल पहले के 131.09 लाख करोड़ रुपये की तुलना में यह अनुमान 8.6 फीसदी अधिक है।

2022-23 में इसी अवधि में यह 22.2 फीसदी बढ़ा था। आठ प्रमुख इन्फ्रा क्षेत्रों की वृद्धि दर 12.1% आठ प्रमुख इन्फ्रा क्षेत्रों की वृद्धि अक्तूबर में 12.1% रही है। एक साल पहले 0.7% बढ़ी थी। सितंबर में इनकी विकास दर 9.2% रही थी। अप्रैल से अक्तूबर के दौरान 8.6% रही है जो एक साल पहले 8.4% रही थी। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इनका योगदान 40% है। राजकोषीय घाटा बजट लक्ष्य का 45 फीसदी देश का राजकोषीय घाटा अप्रैल से अक्तूबर में 8.03 लाख करोड़ रहा है।

यह सरकार के पूरे साल के बजट लक्ष्य का 45 प्रतिशत है। पिछले साल 45.6 प्रतिशत था। 2023-24 के लिए सरकार ने 17.86 लाख करोड़ या जीडीपी का 5.9 फीसदी के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। सरकार के खर्च और राजस्व के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहते हैं। कुल राजस्व में 13.02 लाख करोड़ टैक्स और 2.66 लाख करोड़ गैर टैक्स रहा। गैर टैक्स राजस्व इसलिए बढ़ा, क्योंकि आरबीआई ने सरकार को 87,416 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दी थी।

दिल्ली पहुंचने के बाद अंजू का कुछ पता नहीं, बच्चों ने किया सोसाइटी में मिलने से इनकार

- भिवाड़ी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक सैनी ने कहा कि अंजू के मामले की जांच जारी है और लोगों के बयान रिकॉर्ड किए जा रहे हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

वाघा बॉर्डर से भारत लौटने के बाद पंजाब पुलिस की खुफिया टीम ने अंजू से पूछताछ की, जिसके बाद ही उसे दिल्ली के लिए रवाना किया गया। दिल्ली पहुंचते ही अंजू से पाकिस्तान में रहने के बारे में पूछा गया, लेकिन उसने जवाब देने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान से भारत लौटी तीन बच्चों की मां अंजू का दिल्ली पहुंचने के बाद कोई पता नहीं है। अपने फेसबुक दोस्त से शादी करने के लिए पाकिस्तान जाने वाली अंजू हाल ही में भारत लौटी है। उनके बच्चों ने उससे राजस्थान के भिवाड़ी में आवासीय सोसाइटी में मिलने से इनकार कर दिया था। दिल्ली पहुंचने के बाद अंजू का पता नहीं दिल्ली पहुंचने के बाद अंजू भिवाड़ी नहीं पहुंची। जिस आवासीय सोसाइटी में अंजू रहती है, वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच के बाद ही वहां किसी अंजान व्यक्ति या वाहन को अंदर जाने की इजाजत दी जा रही है। खुफिया एजेंसी लगातार अंजू के 15 वर्षीय बेटी और छह वर्षीय बेटे से पूछताछ कर रहे हैं। भिवाड़ी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक सैनी ने कहा कि अंजू के मामले की जांच जारी है और लोगों के बयान रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अंजू से भी पूछताछ की जाएगी और गिरफ्तार भी किया जा जाएगा। पाकिस्तान के उत्तरी- पश्चिमी क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा में अपने फेसबुक दोस्त नसरुल्लाह से शादी करने के लिए अंजू भारत से पाकिस्तान गई। पाकिस्तान पहुंचने के बाद उसने अपना धर्म परिवर्तन किया और अंजू से फातिमा बन गई। वाघा बॉर्डर से भारत लौटने के बाद पंजाब पुलिस की खुफिया टीम ने अंजू से पूछताछ की, जिसके बाद ही उसे दिल्ली के लिए रवाना किया गया। दिल्ली पहुंचते ही अंजू से पाकिस्तान में रहने के बारे में पूछा गया, लेकिन उसने जवाब देने से इनकार कर दिया। उसने कहा, 'मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहती हूं।' उसने कहा कि वह अपने भारतीय पति अरविंद से तलाक लेने के बाद अपने बच्चों को पाकिस्तान ले जाएगी। वहीं जब अंजू के भारतीय पति से उसके भारत वापस आने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसमें दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंजू के दिल्ली पहुंचने के बारे में भी नहीं जानते हैं। अरविंद के अनुसार, उनके और अंजू के बीच अभी तक तलाक नहीं हुआ है। तलाक के लिए कम से कम तीन से पांच महीने का समय लगेगा। अंजू को भारत आने के लिए केवल एक महीने का ही एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) मिला है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार अंजू को तलाक के बाद ही बच्चों की कस्टडी मिल सकती है।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042